दैनिक
# उजाला संदेश
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

RNI No. MPHIN/2022/83759

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | भोपाल, सोमवार 23 फरवरी, 2026 | वर्ष-04 अंक-84 पेज-08 मूल्य-1.00/-

**सुविचार**

सच्चा ज्ञान वही है जो स्वाभिमान और घमंड में अंतर करना सिखाये।

## रिश्तों में आई नई गर्माहट, व्यापार और तकनीक में बढ़ेंगे साथ

- भारत की मेजबानी देख भावुक हुए ब्राजील के राष्ट्रपति लूला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने भारत यात्रा के दौरान मिले सांस्कृतिक सम्मान और आत्मीय आतिथ्य की खुलकर सराहना की। इंडिया-ब्राजील इकोनामिक फोरम में उन्होंने कहा कि राजकीय भोज और दोपहर के भोजन के दौरान भारतीय संगीतकारों द्वारा ब्राजीलियाई गीतों की प्रस्तुति से वह अचंभित और

भावुक हो गए। राष्ट्रपति लूला ने याद किया कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील गए थे, तब उन्होंने साओ पाउलो से गायक बुलाकर प्रधानमंत्री के पसंदीदा गीत की प्रस्तुति पैलेसियो डा अल्वोराडा में कराई थी। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से किया गया यह सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दोनों देशों के रिश्तों की आत्मीयता को दर्शाता है। भारतीय कलाकारों ने प्रसिद्ध ब्राजीलियाई लोकगीत आसा ब्रांका की धुन भी बजाई, जिसने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का प्रतीकात्मक संदेश दिया।

## सिक्किम में सेना का ऑपरेशन हिमराहत जारी

- बर्फबारी में फंसे 46 टूरिस्टों को सफलता से बचाया

**गंगटोक (एजेंसी)।** भारतीय सेना ने अचानक हुई बर्फबारी के कारण सिक्किम के शेरेथांग बेल्ट के आसपास फंसे 46 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया है। सेना के मुताबिक,ऑपरेशन हिमराहत के तहत रेस्क्यू किए पर्यटकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। टूरिस्ट को मौसम के हालात ठीक होने और सड़कें साफ़ होने तक 17हज़ार माइल पर आर्मी ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट कर दिया गया। बर्फबारी में करीब 350 गाड़ियां फंस गई थीं। टूरिस्ट को 150 गाड़ियों से रेस्क्यू किया गया।

अभी तक 46 पर्यटकों को ट्रांजिट कैंप में रखा गया है। बचाव-राहत का काम अभी भी जारी है। एएनआई के मुताबिक रविवार सुबह चांगू नाथूला में बर्फबारी के बाद शेरेथांग बेल्ट के जेएन रोड पर सिप्सू और 16हज़ार माइल के बीच त्सांगू के पास करीब 350 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं। ये सभी टूरिस्ट त्सांगू जा रहे थे, जो सिक्किम का पॉपुलर डेस्टिनेशन है। भारतीय सेना सावधानी बरतते हुए इस इलाके में वाहनों की आवाजाही रोक दी। इसके बाद ऑपरेशन हिमराहत शुरू किया। रास्ते में फंसे पर्यटकों और ड्राइवरों को सुरक्षित निकालने के लिए पुलिस, आर्मी, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर एक ऑपरेशन चलाया गया है। इसके तहत प्रभावित लोगों को तुरंत मेडिकल केयर, गर्म खाना और राहत का सामान दिया गया।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से ग्वालियर के कृषि मंथन में कृषि वैज्ञानिकों को दिया संदेश

# किसानों को लाभान्वित करने हम खेत से बाज़ार तक तैयार कर रहे पूरी श्रृंखला

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ हैं। इनके अथक परिश्रम से ही हमारे बाजार गुलजार है। हम वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह वर्ष प्रदेश के इतिहास में किसानों के हित और समग्र कल्याण के मामले में मील का पत्थर साबित होगा।उन्होंने कहा कि यह वर्ष 'खेत से लेकर कारखाने तक और बाग से लेकर बाजार तक' की पूरी मूल्य संवर्धन श्रृंखला को एक सूत्र में जोड़ेगा। इस वर्ष हम क़ृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और इनमें वैल्यू एडिशन के लिए अधिकाधिक रोजगार आधारित उद्योगों के विकास, उन्नत किस्म के बीजोत्पादन, पशुपालन, दुग्धोत्पादन, मत्स्योत्पादन में वृद्धि सहित हर वो कदम उठाएंगे, जिनसे खेती और अन्नदाताओं का विकास हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से कृषि विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर में हो रहे 'कृषि मंथन एवं कृषि प्रौद्योगिकी मेला 2026' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना संबंधी कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में तेज़ी से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। हमारी सरकार प्रदेश में औषधीय और मसाला फसलों का उत्पादन बढ़ाने के सभी प्रयास कर रही है। हम जल्द ही कृषि उत्पादन निर्यात नीति लाने वाले हैं। हम कृषि में शोध कार्य भी बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि हम खेती-किसानी और फल-फूलों

की खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए कोई कसर नहीं रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कृषि मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह हमें किसानो के कल्याण के लिये प्रभावी और कारगर कदम उठाने में सहायक होगा। 'कृषि मंथन' राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) नई दिल्ली और कृषि विभाग, म.प्र. शासन के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर हो रहा कृषि मंथन निश्चित ही किसानों को खेती में जरूरी सुधार और बदलाव लाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आधुनिक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य क्षेत्रों में मूल्य-श्रृंखला विकास, प्रोसेसिंग, तकनीक अपनाने और ग्रामीण युवाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देकर व्यापक रोजगार सृजन करने पर फोकस कर रही है। तकनीकी नवाचार, विविधीकरण और नीतिगत समर्थन से इन क्षेत्रों में न केवल उत्पादकता बढ़ाई जा सकेगी, बल्कि विपणन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में बाजार अनुरूप लाभकारी व्यवस्था कृषकों के लिए निर्मित होगी। हम कृषि के अलावा उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सहकारिता क्षेत्र में भी नई सोच से आगे बढ़ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज कृषि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते जोखिमों का सामना कर रही है। इस मंथन में देश के विभिन्न कृषि संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिक विचार मंथन कर नई तकनीकों के विकास की राह प्रशस्त करेंगे।

# 326 दिन,कड़ाके की ठंड और घाटी में ऑपरेशन

### 7 आतंकियों को सेना ने कैसे किया ढेर,सब बताया

**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने लंबी और चुनौतीपूर्ण कार्रवाई के बाद बड़ी कामयाबी हासिल की है। पिछले 326 दिनों तक लगातार और बेहद कठिन उच्च हिमालयी इलाकों में हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशन चलाते हुए सुरक्षा बलों ने सात कुख्यात आतंकवादियों को मार गिराया। यह संयुक्त अभियान सोलह कोर जम्मू कश्मीर पुलिस व सीआरपीएफ द्वारा चलाया गया। अभियान के दौरान जवानों ने कड़ाके की ठंड, बारिश और बर्फबारी के बीच दुर्गम पहाड़ी इलाकों में आतंकवादियों

का लगातार पीछा किया, जिससे कई बार मुठभेड़ की स्थिति बनी। सिविल और सैन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा स्थापित मजबूत इंटेलिजेंस ग्रिड के आधार पर चलाए गए इस ऑपरेशन में अंततः कुख्यात आतंकी सैफुल्लाह और उसके साथियों सहित सभी सात आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

### अत्याधुनिक संचार प्रणालियों की ली गई मदद

अभियान के दौरान आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया। एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, आरपीए/यूएवी और अत्याधुनिक संचार प्रणालियों की मदद से आतंकियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई और ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। सुरक्षाबलों के अटूट संकल्प, साहस और वीरता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आतंक के नेटवर्क को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय आतंकी तंत्र के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

- **इंटेलीजेंस ग्रिड के आधार पर किया काम-** सेना ने कहा कि व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और एजेंसियों के साथ मिलकर सिविल और मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा बनाए गए एक अच्छी तरह से जुड़े इंटेलिजेंस ग्रिड के आधार पर काम किया। सेना ने मुश्किल पहाड़ी इलाकों में ठंडे और बर्फीले हालात में आतंकवादियों को ट्रैक किया, जिससे कई बार संपर्क हुआ और आखिरकार सभी सात आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना ने कहा कि सैफुल्लाह और उसके साथियों के मारे जाने से इलाके में चल रहे आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। साथ ही, यह कामयाबी सेना और इंटेलिजेंस एजेंसियों के पक्के इरादे, हिम्मत और बहादुरी को दिखाती है।

# कोटद्वार के 'मोहम्मद दीपक' से मिले राहुल गांधी

### दीपक को नफरत के माहौल में मोहब्बत की दुकान का प्रतीक बताया

**कोटद्वार (एजेंसी)।** कोटद्वार के पटेल मार्ग में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुए विवाद के बाद चर्चाओं में आए %मोहम्मद% दीपक कुमार से सोमवार को दिल्ली में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भेंट की।

इस दौरान राहुल गांधी ने पुनः दीपक कुमार को इंसानियत की मिसाल बताया। बताते चलें कि बीती 26 जनवरी को पटेल मार्ग स्थित एक दुकान का नाम बदलने को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान कोटद्वार में जिम संचालक दीपक कुमार ने स्वयं को मोहम्मद दीपक बताते हुए दूसरे पक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान दोनों पक्षों में हाथापाई भी हुई। स्वयं को मोहम्मद दीपक बताने वाला वीडियो 28 जनवरी से सोशल मीडिया पर वायरल होने शुरू हो गया। घटना के चार दिन बाद 31 जनवरी को देहरादून सहित अन्य स्थानों से पहुंचे हिंदू संगठनों ने 26 जनवरी के दिन

हिंदू संगठनों पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी को लेकर कोटद्वार में प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के बाद दुकान स्वामी पटेल मार्ग निवासी वकील अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले 30 साल से 'बाबा स्कूल ड्रेस' नाम से दुकान चला रहे हैं।

आरोप है कि 26 जनवरी 2026 को तीन-चार युवक उनकी दुकान में घुसे और खुद को बजरंग दल का सदस्य बताते हुए दुकान का नाम बदलने की धमकी दी। अहमद के मुताबिक नाम न बदलने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। बजरंग दल से जुड़े कोटद्वार निवासी कमल पाल की तहरीर पर जिम संचालक दीपक उर्फ अक्की, विजय रावत एवं उनके अन्य साथियों के विरुद्ध गाली-गलौज करते हुए जाति-सूचक शब्दों का प्रयोग करने तथा जान से मारने की नीयत से हमला करने के संबंध में मुकदमा किया गया है।

# एमपी के कूनो में चीतों की 'हाफ सेंचुरी' की तैयारी

### समंदर पार से उड़कर आ रही है 8 चीतों की नई खेप

**श्योपुर (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश में चीतों को फिर से बसाने और उनकी सुरक्षा के प्रयासों को बड़ा बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि 28 फरवरी तक बोत्सवाना से 8 और चीते मध्य प्रदेश आ जाएंगे। यह कदम इस साल के अंत तक राज्य में चीतों की संख्या 50 तक पहुंचाने के मुख्यमंत्री के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगा। इसी बीच, दक्षिण अफ्रीका की मादा चीता गामिनी ने 18 फरवरी को कूनो नेशनल पार्क में तीन शावकों को जन्म दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधानसभा में चीता पुनर्प्रजनन परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इसने प्रकृति से प्रगति का एक बड़ा संदेश दिया है।

### चीतों को जम गई कूनो की आबोहवा

नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते भारतीय परिस्थितियों में अच्छी तरह से ढल गए हैं। कूनो और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में दूसरी पीढ़ी के शावकों का जन्म सीएम मोहन यादव के प्रभावी नेतृत्व में पीएम मोदी के दृष्टिकोण की प्राप्ति को दर्शाता है। भारतीय अभयारण्यों में चीतों को दौड़ते देखना जैव विविधता संरक्षण के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। इससे पहले, 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो नेशनल पार्क के संरक्षित बाड़ों में छोड़ा था, जिसने महत्वाकांक्षी चीता पुनर्प्रजनन परियोजना की

- **प्रोजेक्ट चीता पर सरकार की प्लानिंग-** 28 फरवरी तक बोत्सवाना से 8 नए चीते एमपी की धरती पर कदम रखेंगे, जिससे कूनो की रौनक और बढ़ेगी। सीएम मोहन यादव ने विधानसभा में मिशन 50 का ऐलान किया है, यानी इसी साल के भीतर चीतों की संख्या 50 पार कराने की तैयारी है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता गामिनी ने 18 फरवरी को 3 शावकों को जन्म दिया है, जिससे प्रोजेक्ट को बड़ी मजबूती मिली है। सीएम ने इस अभियान को प्रकृति से प्रगति का संदेश बताया है और इसके लिए पीएम मोदी के विजन का आभार जताया है।

# कनाडा के 3 पंजाबी सांसदों की सीक्रेट विजिट पर विवाद

- पूछा जा रहा-यात्रा पर खर्चा किसने किया, हथियारबंद निहंगों से मिलने पर सवाल उठ रहे

**लुधियाना (एजेंसी)।** कनाडा में मुख्य विपक्षी पार्टी कंजर्वेटिव पार्टी ऑफ कनाडा के पंजाबी मूल के 3 सांसदों की पंजाब यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं। कनाडा में सोशल मीडिया पर तीनों कंजर्वेटिव सांसदों से पूछा जा रहा है कि उनकी इस यात्रा का खर्च किसने उठाया। कनाडा के सांसद जसराज सिंह हल्लां, अमरप्रीत सिंह गिल और दलविंदर सिंह गिल पंजाब यात्रा पर आए थे। यात्रा का कारण और इस यात्रा के बारे में जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई, इस पर भी सवाल पूछे जा रहे हैं। यही नहीं, सांसदों के आसपास हथियारबंद निहंगों के होने पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। यात्रा से जुड़ी बातें और अन्य गतिविधियों से जुड़े फोटो-वीडियो लोगों ने सोशल मीडिया पर अपलोड किए। इसके बाद सांसदों की यात्रा का खुलासा हुआ।

# आयुष्मान योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा!

- सृष्टि हॉस्पिटल पर पैथोलॉजी रिपोर्ट में कूट रचना का आरोप

**भोपाल। आयुष्मान भारत निरामय योजना के अंतर्गत उपचार में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। भोपाल स्थित सृष्टि हॉस्पिटल पर आरोप है कि उसने पैथोलॉजी रिपोर्ट में कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर और सील का उपयोग कर शासन को गुमराह किया तथा योजना के तहत भुगतान प्राप्त किया। इस संबंध में शिकायतकर्ता नीरज यादव ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुष्मान भारत निरामयम, जिला भोपाल को विस्तृत शिकायत भेजकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।**

### डॉ. एस.के. शर्मा के नाम से जारी बताई गईं रिपोर्टें 'फर्जी', एफआईआर और आर्थिक वसूली की मांग

### पंकज सिंह भदौरिया, ख़बर आर टी आई के सबूतों के आधार पर लिखी गई है

**इस तरह समझे क्या है पूरा मामला?-** शिकायत के अनुसार, वर्ष 2024 और 2025 में आयुष्मान योजना के अंतर्गत सृष्टि हॉस्पिटल द्वारा जिन मरीजों का उपचार किया गया, उनकी पैथोलॉजी रिपोर्ट पर डॉ. एस. के. शर्मा (एमडी पैथोलॉजिस्ट, पंजीयन क्रमांक स्क्क 30165) के हस्ताक्षर दर्शाए गए हैं।

जब इस संबंध में डॉ. शर्मा से मोबाइल पर चर्चा की गई, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कभी-कभार सृष्टि हॉस्पिटल में विजिटिंग पैथोलॉजिस्ट के रूप में गए हैं,

परंतु संबंधित रिपोर्ट उनके द्वारा जारी नहीं की गई,और रिपोर्ट पर अंकित हस्ताक्षर भी उनके नहीं हैं। इस कथन से रिपोर्टों की सत्यता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। हस्ताक्षरों में पाई गई भिन्नता,शिकायतकर्ता के अनुसार, सृष्टि हॉस्पिटल की रिपोर्ट और सीटी पैथ लैब की रिपोर्ट पर डॉ. शर्मा के हस्ताक्षरों में स्पष्ट अंतर पाया गया। जानकारी में यह भी सामने आया कि डॉ. शर्मा पूर्णकालिक रूप से सीटी पैथ लैब में कार्यरत हैं तथा शाम के समय (भारत एक्सरे एण्ड पैथोलॉजी लैब) में सेवाएं देते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल कार्यालय में भी सृष्टि हॉस्पिटल में उनकी नियमित सेवाओं का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला।

**शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई-** मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 29 अप्रैल 2006 के पत्र के अनुसार, कोई भी पैथोलॉजिस्ट अपनी स्वयं की प्रयोगशाला के अतिरिक्त केवल एक अतिरिक्त प्रयोगशाला में विजिटिंग पैथोलॉजिस्ट के रूप में सेवाएं दे सकता है।यदि डॉ. शर्मा के हस्ताक्षर फर्जी पाए जाते हैं, तो न केवल रिपोर्ट कूट रचित मानी जाएंगी, बल्कि उन रिपोर्टों के आधार पर किया गया उपचार और आयुष्मान योजना से प्राप्त भुगतान भी संदिग्ध हो जाएगा।

### शिकायतकर्ता द्वारा जांच के लिए उठाए गए प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2024 एवं 2025 में आयुष्मान योजना के अंतर्गत उपयोग की गई सभी पैथोलॉजी रिपोर्ट की सत्यता की जांच।
- डॉ. एस. के. शर्मा के नाम से जारी रिपोर्ट और संबंधित मरीजों की फाइलों की विस्तृत जांच।
- फर्जी रिपोर्ट के आधार पर प्राप्त राशि की सृष्टि हॉस्पिटल से वसूली।
- एम्पेनलमेंट तिथि से 2025 तक किन-किन पैथोलॉजिस्ट द्वारा रिपोर्ट जारी की गई, इसकी जांच।
- संबंधित पैथोलॉजिस्ट उस अवधि में किन संस्थानों में कार्यरत थे, इसका सत्यापन।

### एफआईआर दर्ज करने की मांग

शिकायतकर्ता ने शासन स्तर से सृष्टि हॉस्पिटल के संचालक पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से जांच कराने तथा आयुष्मान योजना के अंतर्गत किए गए सभी उपचारों की पुनः समीक्षा कराने की मांग की है। मामले की प्रतिलिपि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त, प्रमुख सचिव तथा आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल को भी प्रेषित की गई है।

### आरोप सिद्ध होने पर आरोपियों पर कार्यवाही होगी?

यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला न केवल आयुष्मान योजना की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता को भी गहरा आघात पहुंचा सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर कितनी शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई करता है।

### मध्यप्रदेश बजट पर विजय भवन में पत्रकारवार्ता संपन्न

# मध्यप्रदेश का बजट गरीब, युवा, नारी और किसानों की समृद्धि का मार्ग करेगा प्रशस्त - हेमंत खण्डेलवाल

**बैतूल।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में मध्यप्रदेश के बजट पर पत्रकारो से चर्चा करते हुए कहा कि यह बजट विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के साथ जनकल्याण को नई ऊंचाई देगा। मध्यप्रदेश का प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा बताई गई चार जातियां, गरीब, युवा, नारी और किसानों की समृद्धि का मार्ग और प्रशस्त करेगा। यह बजट मध्यप्रदेश के समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने पूंजीगत व्यय को बजट में बढ़ाया है, जिससे मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना साकार होगी। इस ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूंजीगत व्यय बढ़ाने से मध्यप्रदेश के भविष्य को सशक्त बनाएगा बजट श्री खण्डेलवाल ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने 4,38,317 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया है। बजट में स्वयं के व्यय से 1,17,667 करोड़ का राजस्व प्राप्त का लक्ष्य है। केंद्र सरकार से 1,12,137 करोड़ प्राप्त होंगे। राज्य के स्वयं के कर राजस्व में

10.6 प्रतिशत की वृद्धि से स्पष्ट है कि यह बजट प्रदेश के भविष्य को और सशक्त बनाने वाला है। पिछले वर्ष के अपेक्षा में पूंजीगत व्यय में 7.5 फीसदी की वृद्धि की गई है, जिससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास और सशक्त होगा। श्री खंडेलवाल ने बताया कि अनुसूचित जनजाति विभाग के बजट में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 47,429 करोड़ का प्रावधान किया गया है, वहीं अनुसूचित जाति विभाग के बजट में भी 17 प्रतिशत की वृद्धि कर 31,192 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में एक लाख सोलर पंप किसानों को देने की तैयारी की गई है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य रखा गया है और फसल बीमा के लिए 1300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि सिंचाई व्यवस्था का विस्तार, बेहतर बिजली आपूर्ति, पारदर्शी फसल खरीद, भावांतर योजना का संरक्षण और प्राकृतिक प्रकोप में त्वरित मुआवजा के माध्यमों से अन्नदाता को सबल और सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इन प्रावधानों से किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने दूरदर्शी सोच के साथ बजट प्रस्तुत किया है। यह बजट सशक्त मध्यप्रदेश की नींव को और मजबूती देगा। बजट में हर वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रावधान किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'लाड़ली बहना योजना' के लिए 23,882 हजार करोड़ से अधिक की राशि निर्धारित की गई है। साथ ही कामकाजी महिलाओं के लिए 5700 महिला हॉस्टल के निर्माण तथा उनकी सुरक्षा और पेंशन पर विशेष जोर दिया गया है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 25 हजार करोड़ के ऋण प्रावधान किया गया है। साथ ही खेलों के विकास के लिए 815 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है। श्री खंडेलाल ने बताया कि आंगनवाड़ियों में बच्चों को पोषण आहार को और पुख्ता करने के लिए ट्रेटा दूध दिया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 23 हजार करोड़ का प्रावधान कर चिकित्सा सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इसके साथ ही 72 नई ई-बस सेवाओं की शुरुआत कर शहरी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। पत्रकारवार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ,केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, जिला मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण, समाजजन बोले- आने वाली पीढ़ी इतिहास से जुड़ेगी

### नपाध्यक्ष बोले, भोपाल नाके का नाम राजा भोज चौराहा किया जाएगा

**सीहोर।** शहर के भोपाल नाके पर नगर पालिका और परमार समाज के संयुक्त तत्वाधान में रविवार भव्य कार्यक्रम के साथ आस्था और उत्साह के साथ परमार समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस मौके पर जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में परमार समाज के अलावा क्षेत्रवासी शामिल थे। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक परमार समाज की ओर से संबोधित करते हुए विजेन्द्र परमार ने कहा कि हमारे शहर के नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने समाज और क्षेत्र को सौगात दी है।

नगर पालिका और परमार समाज के संयुक्त सहयोग से बनी राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह प्रतिमा करीब 8 फीट ऊंची है। समाजजनों ने बताया कि लंबे समय से राजा भोज की प्रतिमा लगाने की मांग थी, जो अब पूरी हो गई है। इससे शहर ही नहीं आस पास के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। कार्यक्रम के दौरान परमार समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सूरज सिंह परमार, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, राजस्व मंत्री

करण सिंह वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, शुजालपुर नगर पालिका अध्यक्ष बबीता परमार, जनपद सरिता परमार, सन्नी महाजन, पार्षद हेमलता परमार आदि के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और परमार समाज के लोग उपस्थित थे।

**न्याय प्रिय महाराजा थे राजा भोज-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर ने कहा कि राजा भोज परमार वंश के एक अत्यंत प्रतापी, न्यायप्रिय और कला प्रेमी शासक थे, जो केवल मालवा ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत की आस्था और लोक संस्कृति में एक लोक-नायक के रूप में रचे-बसे हैं।

**सामुदायिक भवन निर्माण की मांग-** इस मौके पर मंच पर कार्यक्रम के संयोजक विजेन्द्र परमार, विमल परमार आदि ने नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने भोपाल नाके का नाम राज भोज चौराहे के अलावा छावनी में प्राचीन जगदीश मंदिर में भव्य सामुदायिक भवन निर्माण करने की मांग की।

### सफलता की कहानी

## मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का लाभ लेकर भविष्य संवार रहे युवा

**मुरवास।** मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में विदिशा जिले के युवा अपना भविष्य संवार रहे हैं। इस योजना से जुड़कर वह प्रशिक्षण तो प्राप्त कर रहे हैं और साथ ही साथ स्टाइपेंड की राशि भी शासन द्वारा उनके बैंक खातों में प्रदाय की जा रही है। ऐसी ही एक कहानी है विदिशा जिले की लटेरी तहसील के मुरवास के श्री अभिषेक प्रजापति की। जिन्होंने मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का लाभ लेकर रोजगार से जुड़े और अपने परिवार की आर्थिक रूप से मदद कर रहे हैं।

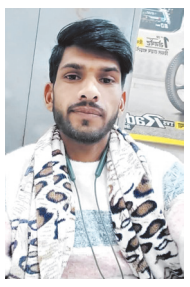

अभिषेक प्रजापति पुत्र गंगाराम प्रजापति निवासी ग्राम मुरवास लटेरी जिला विदिशा के द्वारा इलेक्ट्रीशियन ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण करने के पश्चात् मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर लटेरी में टीवीएस शोरूम में मेनेजर के पद पर कार्यरत हैं। कब वह अपने परिवार की आर्थिक सहायता करने एवं स्वयं की आर्थिक जरुरतों को पूरा करने में सक्षम हैं।

मुरवास के अहमदनगर में अत्यंत दुखद सड़क दुर्घटना हुई। ट्रक लटेरी से सिरोंज की ओर जा रहा था तथा जिसमें लोहे के पाइप लदे थे, मार्ग में अचानक गाय आ जाने से चालक द्वारा बचाव का प्रयास करते समय अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक से पाइप नीचे गिर गए, जिनकी चपेट में आने से पास में खेल रहे दो मासूम बच्चे आ गए।

## श्रमिकों की मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ का विशाल धरना 25 को, सामूहिक अवकाश पर रहेंगे कर्मचारी

**सीहोर।** भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर आगामी 25 फरवरीको जिला मुख्यालय पर श्रमिकों और कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन की खास बात यह है कि जिले भर के शासकीय और संविदा कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका सामूहिक अवकाश लेकर इसमें शामिल होंगे।

भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री विनीत दुबे ने बताया कि हाल ही में उड़ीसा के पुरी में संपन्न हुए 21वें अखिल भारतीय अधिवेशन के निर्णयानुसार यह आंदोलन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत बुधवार दोपहर 1 बजे एक विशाल रैली निकाली जाएगी, जो कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगी। इस प्रदर्शन में आंगनवाड़ी संघ, राज्य कर्मचारी संघ, संविदा संघ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पेंशनर्स और रेल मजदूर महासंघ सहित कई संगठन अपनी ताकत दिखाएंगे। श्रमिक नेताओं का कहना है कि यदि समय रहते इन मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

### संघ की प्रमुख मांगें

पेंशन में वृद्धिः ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह (महंगाई भत्ते सहित) किया जाए।

वेतन सीमा में सुधारः ईपीएफ अंशदान के लिए वेतन सीमा 30000 और ईएसआईसी के लिए 42000 रुपये की जाए।

नियमितीकरणः स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थाई किया जाए।

भर्तीः सरकारी नौकरियों में सामान्य भर्ती पर लगी रोक तुरंत हटाई जाए।

श्रम कानूनः इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 में श्रमिकों की चिंताओं का समाधान हो।

# शराब से उजड़ रहे परिवार, आक्रोशित महिलाओं का थाने पर हल्ला बोल

### महिलाओं ने गांव में शराब बंद करो, हमारे घर बचाओ नारे के साथ किया प्रदर्शन

**सीहोर।** गांव में शराब बंद करो, हमारे घर बचाओ के नारों के साथ ग्राम पिपलानी और डंडकी की सैकड़ों महिलाओं का सब्र आखिर टूट गया। बुधनी विधानसभा क्षेत्र के गांवों में फैलते अवैध शराब के जहर के विरोध में महिलाओं ने गोपालपुर थाने का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए महिलाओं ने दोटूक चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने अवैध शराब बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो क्षेत्र में उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

हैरानी की बात यह है कि सरकार ने नर्मदा किनारे के गांवों में शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके उलट है। महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाया कि गांवों में

डायरी सिस्टम के जरिए शराब की होम डिलीवरी हो रही है। किराने की दुकानों और घरों से आसानी से शराब उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे स्पष्ट है कि शराब माफिया का नेटवर्क बेहद मजबूत है।

**मारपीट और कर्ज से महिलाएं त्रस्त-** प्रदर्शनकारी महिलाओं ने थाना प्रभारी को अपनी पीड़ा सुनाते हुए कहा कि पुरुष अपनी मेहनत-मजदूरी की कमाई नशे में उड़ा रहे हैं। शराब के कारण घरों में रोज मारपीट और कलह हो रही है। ग्राम पंचायत राला की सरपंच ममता बजाज के नेतृत्व में भी महिलाएं पहले आवाज उठा चुकी हैं। अब रालाए अकावलिया और चीटीखेड़ा के बाद पिपलानी की महिलाओं ने भी मोर्चा खोल दिया है।

**युवाओं के भविष्य पर खतरा-** महिलाओं का कहना है कि शराब की सुलभ उपलब्धता के कारण गांव के युवा नशे की गर्त में जा रहे हैंए जिससे बीमारियां और अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस को सौंपे ज्ञापन में मांग की गई है कि उन ठिकानों पर तत्काल छापामार कार्रवाई की जाए जहां अवैध भंडारण किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने महिलाओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

# सांस्कृतिक कार्यक्रमों से छात्रों में होता है मनोमय कोष का विकास ' श्रीमती ठाकुर'

**आठनेर।** नगर के सरस्वती विद्या मंदिर में शिशु महोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय में विद्या भारती प्रतिष्ठान के निर्देशानुसार शिशु विकास कार्यों को मुख्य रूप से ध्यान में रखे हुए शिशु महोत्सव का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर के वीर शिवाजी सभागृह में किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के कक्षा अरुण से लेकर कक्षा द्वितीया तक के लगभग 200 भैया/ बहिनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता की एवं प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती सुरेखा ठाकुर ( प्रांतीय संयोजक फाऊंडेशन स्टेज ) ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिशु के विकास में हम सभी की अहम् भूमिका होती है शिशु का पंचकोषात्मक विकास खेल, योग ,संगीत ,मंच एवं नैतिक आध्यात्मिक शिक्षा से होता है भैया बहिनों को अपनी मातृभाषा में में शिक्षा गृहण कराना चाहिए, मंच के माध्यम से भैया/ बहिनों में मनोमय कोष का विकास होता है। भैया बहिनों एवं नन्हे बच्चों द्वारा दी गई विभिन्न प्रस्तुतियों ने सभागृह में। उपस्थित अभिभावकों एवं नागरिकगणों को आनंदित किया। विद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की अभिभावकों द्वारा सराहना की गई। इस अवसर पर विद्यालय संचालन समिति योग मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री लखनलाल जी लहरपुरे, उपाध्यक्ष श्री भीमराव जी आवठे,व्यवस्थापक श्री महेशचंद्र जी जायसवाल, कोषाध्यक्ष श्री देवीराम जी राठौर, सदस्य श्री राजेश जी अवस्थी प्राचार्य ,प्रधानाचार्य एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहे।

# 26 वर्षीय आदिवासी महिला ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, हालत गंभीर

**सीहोर।** जिले के लाड़कुई गांव में रविवार दोपहर एक 26 वर्षीय आदिवासी महिला ने सरेराह अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए महिला पर पानी डालकर आग बुझाई और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने डायल 112 की मदद से युवती को भैरूंदा सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे भोपाल रेफर कर दिया। बाद में उसे हमीदिया अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घायल महिला की पहचान विनीता पति सुनील ऊईके (26) निवासी गोंडी गुराडिया (हाल

मायका लाड़कुई) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विनीता ने लाड़कुई कस्बे में स्वयं पर पेट्रोल छिड़ककर माचिस से आग लगा ली। घटना की सूचना पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट (नायब तहसीलदार) ने अस्पताल पहुंचकर महिला के बयान दर्ज किए हैं। हालांकि, अब तक आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। महिला ने अपने बयान में फिलहाल किसी को दोषी नहीं ठहराया है। भैरूंदा के एसडीओपी रोशन जैन ने बताया कि मामले की जांच जारी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवती पिछले दो महीने से अपने मायके लाड़कुई में रह रही थी। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

# कुबेरेश्वरधाम पर हजारों श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी

### आधुनिक भोजनशाला से 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन प्रसादी का वितरण

**सीहोर।** रुद्राक्ष महोत्सव 2026 का समापन दो दिन पहले हो चुका है, इसके पश्चात भी हर रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को समिति की ओर से भोजन प्रसादी का वितरण किया। रविवार को धाम पर आधुनिक भोजनशाला से 20 हजार लोगों के लिए भोजन प्रसादी की निशुल्क व्यवस्था के साथ पेयजल आदि की व्यवस्था की गई। समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला और पंडित विनय मिश्रा ने बताया कि यहां पर नियमित रूप से 10 से 20 हजार से अधिक श्रद्धालु को भोजन निशुल्क व्यवस्था की जाती है, इसके अलावा शिव महापुराण, महोत्सव के दौरान पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी बनाने की व्यवस्था की जाती है। गत दिनों हुए रुद्राक्ष महोत्सव में समिति ने यहां पर आने वाले लाखों की संख्या में नियमित रूप से रोटी, खिचड़ी, मिठाई, चावल आदि का

वितरण किया था। रविवार को सुबह अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने हजारों की संख्या में धाम पर पहुंचे श्रद्धालुओं से भेंट की। समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि पंडित श्री मिश्रा की आगामी कथा 24 फरवरी से दो मार्च महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित होगी। इसके लिए सोमवार को वह रवाना होंगे। धाम पर लगातार सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव में संपूर्ण प्रशासन, समिति, शहरी और ग्रामीणों ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर समन्वय से कार्यक्रम को सफल रखा है। जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस प्रशासन की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा पुलिस बल, स्वास्थ्य विभाग, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी, लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका की ओर से स्वच्छता मित्र, राजस्व अमला, पंचायत सचिव-रोजगार सहायक, रेलवे विभाग, पटवारियों का संघ, पीएचई के अलावा सभी विभागों के कर्मचारियों और हजारों की संख्या में आने वाले सेवादारों ने अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक श्री मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्य किया।

# मध्य प्रदेश में 6 साल में गायब हुईं 2.70 लाख महिलाएं और लड़कियां, पुलिस 50 हजार से ज्यादा को खोज नहीं पाई

**भोपाल निप्र।** मध्य प्रदेश विधानसभा में 18 फरवरी को सरकार की तरफ से प्रस्तुत एक रिपोर्ट चिंता पैदा करने वाली और चेताने वाली है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2020 से 28 जनवरी 2026 यानी लगभग छह वर्ष में प्रदेश के विभिन्न जिलों दो लाख 70 हजार 300 महिलाएं और बेटियां गायब हुई हैं। चिंता का विषय यह है कि पुलिस इनमें से 50 हजार से ज्यादा महिला और बेटियों को आज तक खोज नहीं पाई है। अभी भी 47 हजार 984 महिलाएं और 2186 बालिकाएं गायब हैं। विधानसभा में कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी सरकार ने दी है। प्रतिदिन का औसत देखें तो 125 महिला-बेटियां गायब हो रही हैं। यानी हर घंटे पांच। बेटियों के गायब होने में 48 से प्रतिशत की वजह घर से नाराज होकर जाना है, लेकिन महिलाओं के मामले में पुलिस मुख्यालय ने ऐसा कोई राज्यस्तरीय विश्लेषण भी नहीं तैयार किया है जिससे सामने आ सके की असली वजह क्या है।

### किस वर्ष कितनी बेटियां व महिलाएं हुईं लापता

2020 -- 31,405
2021 -- 39,564
2022 -- 43,148
2023 -- 46,291
2024 -- 50,798
2025 -- 54,897
2026 ( 28 जनवरी तक )-- 4,197
गुम महिलाओं की स्थिति
लापता - 2,06,507
खोजी गई या खुद लौटीं - 1,58,523
अभी भी लापता - 47,984
गुम बालिकाओं की स्थिति
लापता - 63,793
पुलिस, स्वजन ने खोजा, या खुद लौटीं - 61,607
अभी भी लापता - 2,186

# स्नूकर क्लब में 10वीं के छात्र को चाकुओं से गोदा, महज 30 सैकंड में किए 27 वार

## हमले के बाद पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल, वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया

**भोपाल निप्र।** राजधानी भोपाल में पूल गेम की रंजिश ने खौफनाक रूप ले लिया। महज 30 सैकंड में 27 वार... और नाबालिग छात्रों ने 10वीं के छात्र को चाकुओं से गोद दिया। मामले में सामने आया है कि दो नाबालिग फिल्मी अंदाज में क्लब में घुसते हैं और पूल गेम खेल रहे दसवीं के छात्र पर चाकुओं ताबड़तोड़ वार करते हुए जानलेवा हमला कर देते हैं।

पीड़ित ने जैसे-तैसे बचाई जानः दोनों आरोपी इतने गुस्से में थे कि उन्होंने महज 30 सैकंड पर छात्र पर 27 बार वार किए और मौके से फरार हो गए। वहीं घायल छात्र ने जैसे-तैसे खुद को संभाला ओर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। हमले में उसकी एक कलाई पर 10 से अधिक गहरे घाव हुए हैं। जबकि दूसरे हाथ की उंगलियां कट गई हैं। कंधे और पीठ पर भी गंभीर चोट के निशान मिले हैं। घायल छात्र अस्पताल में भर्ती है, जहां उसका इलाज जारी है।

### आरोपियों को नोटिस देकर छोड़ा, मेडिकल रिपोर्ट्स के बाद आगे की कार्रवाई

मामले में पुलिस ने साधारण धाराओं में स्ढ्ढक्रदर्ज की थी। दोनों को गिरफ्तार भी किया लेकिन उन्हें नोटिस देकर बाद में छोड़ दिया गया। मामले में सब इंस्पेक्टर मनिपाल सिंह भदौरिया का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर मारपीट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। दोनों ही नाबालिग छात्रों को नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट्स के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिल दहलाने वाली ये वारदात 15 फरवरी की बताई जा रही है, जबकि सामने ये अब आई है।

# विदेशी पक्षियों से एवियारी हुआ गुलजार

## उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मुकुंदपुर जू का किया निरीक्षण

**भोपाल, नप्र।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर जिले के मुकुंदपुर मे महाराजा मारतन्द सिंह जू देव वाईट टाइगर सफारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उनकी उपस्थिति में जू मे लाये गए विदेशी प्रजाति के पक्षी भी उनके रह्वास मे छोड़े गये। नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड सिगरोली द्वारा सी एस आर मद से मुकुंदपुर को प्रदाय किये गए नये विदेशी पक्षियों को वॉक इन एवियारी के अंदर प्राकृतिक निवास पर छोड़ा गया। वन्यजीव संरक्षण के लिए मुकुंदपुर जू के एवीयरी मे अब नये प्रजाति के रंग बिरंगे पक्षी आ चुके है। जिनमें रेड स्कारलेट मैकॉ, रेड ग्रीन विंग्ड मैकॉ, सल्फर-क्रेस्टेड कॉकाटू, ब्लू गोल्ड मैकॉ, हैनस मैकॉ, अफ्रीकन ग्रे पैरोट, ग्रैंड इलेक्टस, सन कोनूर, कॉकेटियल्स, और लव बर्ड शामिल हैं। नये पक्षियों के आगमन से पर्यटक को अब और अधिक विदेशी प्रजाति के पक्षी देखने को मिलेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भ्रमण के दौरान पक्षियों के सरंक्षण के प्रयासो की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा जिले के हरिहरपुर में की जा रही प्राकृतिक खेती का भी अवलोकन किया। इस मौके पर सीसीएफ श्री राजेश राय, वन मंडल अधिकारी श्री विद्या भूषण मिश्रा उपस्थित रहे।

# मध्यप्रदेश पुलिस का वाहन चोरों पर व्यापक प्रहार

**भोपाल, नप्र।** प्रदेश में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विभिन्न जिलों की पुलिस द्वारा निरंतर एवं समन्वित कार्रवाई की गई है। तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र तथा त्वरित फील्ड रिस्पॉन्स के आधार पर पुलिस ने 53 दोपहिया वाहन बरामद किए है।

**प्रमुख कार्यवाहियां:** खरगोनः खरगोन पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 03 आरोपी एवं 01 विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर कुल 13 मोटरसाइकिलें (कीमत लगभग 6 लाख 50 हजार रुपए) जप्त कीं है। इसके अतिरिक्त एक अन्य कार्रवाई में शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 06 मोटरसाइकिलें (कीमत लगभग 3 लाख रुपए) बरामद की गईं। इस प्रकार पुलिस ने इन दोनों कार्रवाइयों में कुल 19 मोटरसाइकिले बरामद की है।

पन्नाःशाहनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सक्रिय चोर गिरोह का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी एवं खरीदार सहित 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर पन्ना, कटनी, छतरपुर एवं अनूपपुर जिलों से चोरी की गई कुल 11 मोटरसाइकिलें (कीमत लगभग 6 लाख रुपए ) बरामद

की है। इस कार्रवाई से अंतरजिला वाहन चोरी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। इसके अतिरिक्त अमानगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने सूचना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लगभग 60 हजार रुपए कीमत की 01 मोटरसाइकिल जप्त की है। इस प्रकार पुलिस ने कुल 12 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

छतरपुरः थाना कोतवाली पुलिस ने विभिन्न स्थानों से 06 मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के वाहन बरामद किए है।

ग्वालियरःजिले में वाहन चोरी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना डबरा सिटी पुलिस टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 03 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इसके अतिरिक्त पूर्व कार्रवाई में भी एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 मोटरसाइकिलें जप्त की गई थीं। इस प्रकार डबरा सिटी पुलिस द्वारा कुल 05 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

इंदौरःशहर में जोन-3 क्षेत्रांतर्गत थाना हीरानगर पुलिस ने दो-पहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 05 वाहन (कीमत लगभग 5 लाख रुपए) बरामद किए। वहीं जोन-1 थाना एरोड्रम पुलिस ने 24 घंटे के भीतर वाहन चोर को गिरफ्तार कर जुपिटर स्कूटर (कीमत 40 हजार रुपए) जप्त किया। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 6 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

श्योपुरःकोतवाली पुलिस ने रामद्वारा मैरिज गार्डन से चोरी हुई मोटरसाइकिल के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शातिर चोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से लगभग 60 हजार रुपए कीमत की 01 मोटरसाइकिल बरामद कर विधि अनुसार कार्रवाई की गई।

कटनीः जिले के थाना रीठी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं थाना कोतवाली पुलिस ने अलग कार्रवाई में मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार कर चोरी का वाहन जप्त किया। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने 02 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

दतियाःथाना कोतवाली पुलिस ने पुरानी कचहरी क्षेत्र से चोरी गई मोटरसाइकिल को बरामद करते हुए चोरी का वाहन खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

विदिशाःथाना सिविल लाइन पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर 1 लाख 05 हजार रुपए कीमत की मोटरसाइकिल बरामद की है।

प्रदेशभर में की गई इन संगठित एवं सतत कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस वाहन चोरी की घटनाओं के विरुद्ध पूर्ण गंभीरता एवं रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। आमजन से अपील है कि वाहन पार्क करते समय सुरक्षा उपायों का पालन करें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

# एमपी ट्रांसको में 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' बनी कार्य संस्कृति

**भोपाल, नप्र।** मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की गई है।

मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, जिससे प्रत्येक कर्मचारी पूर्ण सजगता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सके।

**कार्य के दौरान मोबाइल का उपयोग वर्जितः** कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज अथवा संबंधित सुपरवाइजर के पास सुरक्षित रूप से जमा कराए जाते हैं। कार्य प्रारंभ से पूर्व संबंधित क्षेत्र को विधिवत अर्थिंग से जोड़ने तथा सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मेंटेनेंस टीम के लीडर को रोटेशन मे बदलने की अभिनव पहल से कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व बोध एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

# तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से घायल मासूमों को समय पर मिला उपचार

**भोपाल, नप्र।** डायल-112 जवानों की त्वरित, सजग और संवेदनशील कार्यवाही ने सड़क दुर्घटना में घायल एक बालक एवं एक बालिका को समय रहते उपचार उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। संकट की इस घड़ी में डायल-112 टीम ने जिस जिम्मेदारी और मानवीय भावना के साथ कार्य किया, वह सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का सराहनीय उदाहरण है।22 फरवरी को सूचना मिली कि एक ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक बालक एवं एक बालिका घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 एफआरव्ही, थाना मुरवास क्षेत्र से तत्काल मौके के लिए रवाना की गई। घटनास्थल पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ

आरक्षक श्री सचिन जाट (ष्ट-913), आरक्षक श्री रवि जाट, श्री शमीम खान एवं पायलट श्री संजीव कुमार मीणा ने स्थिति का त्वरित आकलन कर बिना समय गंवाए दोनों घायल बच्चों को एफआरव्ही वाहन की सहायता से सुरक्षित रूप से लटेरी अस्पताल पहुँचाया। इस दौरान थाना मुरवास का पुलिस बल भी मौके पर आवश्यक कार्रवाई में जुटा रहा, जिससे स्थिति को शीघ्र नियंत्रित किया जा सका। डायल-112 जवानों की इस त्वरित प्रतिक्रिया, सजगता और मानवीय संवेदनशीलता के कारण घायल मासूमों को समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सकी। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह प्रेरणादायक घटना यह संदेश देती है कि मध्यप्रदेश पुलिस हर परिस्थिति में आमजन की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए सदैव तत्पर, सजग और समर्पित है।

# आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा

भोपाल निप्र। नगर निगम द्वारा आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी व एंटीरैबीज टीकाकरण की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। कार्यवाही के इसी क्रम में निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 58 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा। निगम अमले ने नसबंदी उपरांत 71 श्वानों को वापस छोड़ा। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने रविवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 18 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर भेजा जबकि 19 श्वानों को आदमपुर तथा 21 श्वानों को अरवलिया एबीसी सेंटर भेजने की कार्यवाही की। इस प्रकार निगम के डॉग स्क्वाड ने कुल 58 श्वानों को नसबंदी केन्द्रों में भेजा तथा नसबंदी उपरांत 71 श्वानों को वापस छोड़ा गया। निगम के डाग स्क्वाड द्वारा आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

# रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा भोपाल की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

**भोपाल निप्र।** भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखा भोपाल की वार्षिक आम सभा रविवार को कलेक्टर कार्यालय भोपाल के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर के प्रतिनिधि एडीएम प्रकाश नायक ने की। उनका स्वागत जिला रेडक्रॉस के चेयरमैन बृजकिशोर सांघी ने किया। सभा में शाखा सचिव एडवोकेट प्रमोद सक्सेना ने वार्षिक आम सभा का एजेंडा प्रस्तुत किया तथा वर्षभर की गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन रखा। प्रतिवेदन में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, आपदा राहत कार्य, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण तथा सामाजिक सहायता गतिविधियों का उल्लेख किया गया। इस दौरान वित्त समिति अध्यक्ष राकेश वर्मा ने जिला रेडक्रास सोसायटी का कोष संबंधी विवरण प्रस्तुत किया गया जिसे सभा में अनुमोदित किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष की अनुमति से जिला शाखा का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करने हेतु पाँच सदस्यीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया। जिसमें कार्यकारणी सदस्य राधेश्याम पाण्डेय, दिनेश शुक्ल, रवि चतुर्वेदी, राहुल पचौरी और ओमशंकर श्रीवास्तव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही इतवारा सेंट्रल लाइब्रेरी भवन स्थित जिला शाखा भोपाल के पुराने कार्यालय में रेडक्रॉस डिस्पेंसरी एवं जन औषधि केन्द्र प्रारंभ करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। वही सभा अध्यक्ष द्वारा भोपाल जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जन औषधि केन्द्र के साथ एम्बुलेंस सुविधा प्रारंभ करने का सुझाव रखा गया, जिसका सदस्यों ने समर्थन कर प्रस्ताव पारित किया। जबकि नए भोपाल क्षेत्र में शाखा कार्यालय हेतु शासकीय भवन उपलब्ध कराने हेतु शासन से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। सभा में राज्य प्रतिनिधि कमलाकर सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील काले, कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप सिंह, संदीप सिंह परिहार, नेहा भगत, कृष्ण मोहन गुप्ता, प्रमोद शर्मा, नरेंद्र मिश्रा, सैफिया सोसायटी के प्रतिनिधि जैनबुद्दीन सिद्दकी तथा जिला उद्योग केन्द्र के प्रतिनिधित प्रवीण भट्ट सहित भारी संख्या में आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।सभा उपरांत सदस्यों ने मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया और समाज सेवा के प्रति प्रेरणा ग्रहण की। बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों ने रेडक्रॉस की मानवीय सेवा भावना को और सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

# वैश्विक रेल मानचित्र पर भारत की छाप

**भोपाल, नप्र।** बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने एक बार फिर लोकोमोटिव निर्माण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया है। बरेका द्वारा निर्मित स्वदेशी 3300 हॉर्स पावर एसी-एसी डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की दसवीं इकाई को 21 फरवरी 2026 को मोज़ाम्बिक के लिए सफलतापूर्वक रवाना किया गया। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि बरेका को मोज़ाम्बिक के लिए 3300 हॉर्स पावर एसी-एसी डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के कुल 10 इंजनों का निर्यात आदेश प्राप्त हुआ था। इन लोकोमोटिवों की आपूर्ति एम/एस राइट्स के माध्यम से 10 लोकोमोटिवों के निर्माण एवं निर्यात के अनुबंध के अंतर्गत की गई है। पहले दो लोकोमोटिव जून 2025 में, तीसरा सितंबर में, चौथा अक्टूबर में तथा पाँचवाँ लोकोमोटिव 12 दिसंबर को भेजा गया था। इसके पश्चात छठा लोकोमोटिव 15 दिसंबर 2025, सातवां 8 जनवरी 2026, आठवां 23 जनवरी 2026, नौवां लोकोमोटिव 17 फरवरी 2026 को रवाना किया गया था यह निर्यात वैश्विक मंच पर लोकोमोटिव निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।बरेका द्वारा निर्मित ये अत्याधुनिक 3300 हॉर्स पावर केप गेज (1067 मिमी) लोकोमोटिव 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से संचालन में सक्षम हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप चालक-अनुकूल सुविधाएँ जैसे रेफ्रिजरेटर, हॉट प्लेट, मोबाइल होल्डर तथा आधुनिक केबिन डिजाइन उपलब्ध हैं, जो चालक सुविधा और परिचालन दक्षता को और अधिक बेहतर बनाते हैं। भारतीय रेल की उत्पादन इकाई बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) जो वाराणसी में स्थित है, अब लोकोमोटिव निर्माण के एक प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। स्वदेशी डिजाइन और उन्नत रेलवे प्रौद्योगिकी के निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के बल पर बरेका वैश्विक रेलवे बाजार में भारत की उपस्थिति को सशक्त बना रहा है। वर्ष 2014 से अब तक बरेका श्रीलंका, म्यांमार और मोज़ाम्बिक जैसे देशों को लोकोमोटिव निर्यात कर चुका है, जिससे उन देशों की रेलवे प्रणालियों के विकास में सहयोग मिला है। 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के विज़न के अनुरूप, ये निर्यात भारतीय रेल की उस क्षमता को प्रदर्शित करते हैं जिसके माध्यम से वह विश्व में प्रचलित विभिन्न गेज प्रणालियों के अनुरूप रोलिंग स्टॉक का डिजाइन, निर्माण और आपूर्ति कर सकती है। ऐसे प्रयासों के माध्यम से भारतीय रेल भागीदार देशों को उनके रेल अवसंरचना उन्नयन में सहयोग प्रदान कर रही है, साथ ही रेलवे रोलिंग स्टॉक एवं संबंधित सेवाओं के विश्वसनीय निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत कर रही है। लोकोमोटिव निर्यात के क्षेत्र में बरेका की ये उपलब्धियाँ भारत की बढ़ती तकनीकी आत्मनिर्भरता तथा वैश्विक रेलवे उपकरण बाजार में उसके निरंतर विस्तारित होते प्रभाव को प्रतिबिंबित करती हैं।

# भोपाल में सेंट्रल विस्टा का डिजाइन फाइनल, एक हजार करोड़ रुपये से बनेगा स्टेट कैपिटल कांप्लेक्स

**भोपाल निप्र।** नए सेंट्रल विस्टा (स्टेट कैपिटल कांप्लेक्स प्रोजेक्ट) का डिजाइन फाइनल हो गया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की बैठक में इस योजना के प्राथमिक स्वरूप पर सहमति दे दी गई है। बैठक में हाउसिंग बोर्ड को चार महीने यानी 30 जून के पहले इसकी डीपीआर फाइनल करने को कहा है। इसके तहत बोर्ड ने टेंडर के माध्यम से आर्किटेक्ट के रूप में फर्म मेसर्स सीपी कुकरेजा का चुनाव कर लिया है। प्रस्तावित नया प्रोजेक्ट लगभग एक हजार करोड़ रुपये का होगा।

**33 विभागों ने मांगी जगहः** जीएडी ने सभी सरकारी विभागों को पत्र लिखकर उनकी ऑफिस की जरूरतों और स्थानांतरण को लेकर जानकारी मांगी थी। जीएडी को 58 विभागों के 84 कार्यालयों से पत्र प्राप्त हुआ है। 33 विभाग के 59 कार्यालय सेंट्रल विस्टा में स्थानांतरण के इच्छुक हैं। इन विभागों ने कुल एक लाख तीन हजार वर्ग मीटर जगह मांगी है। बाकी

छह कार्यालय रेनोवेशन व प्रस्तावित भवन के कारण सहमत नहीं है। 19 अन्य के अपने स्वतंत्र और पर्याप्त ऑफिस हैं।

**हाईटेक होगा ऑफिसः** सूत्रों के मुताबिक जिन भी ऑफिस में रेनोवेशन या निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां काम रोका जा सकता है। किसी को भी नई जमीन आवंटित नहीं होगी। सभी को सेंट्रल विस्टा में ही जगह दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट में सभी आधुनिक तकनीक और सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कॉर्पोरेट की तरह यह हाईटेक आफिस होगा।

**12 नये टावर बनाने का प्लान :** पुराने हो चुके सतपुड़ा और विंध्याचल भवन की जगह नया सेंट्रल विस्टा बनेगा। पुराने दोनों भवनों का निर्मित क्षेत्रफल 76,500 वर्ग मीटर है। नये सेंट्रल विस्टा में लगभग दोगुना यानी 1.60 लाख वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्रफल होगा। नई योजना में 12 नये टावर बनाने की योजना है।

**ग्रीन एरिया और पार्किंग पर विशेष फोकस :** पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए हरित क्षेत्र को 5.84 हेक्टेयर से बढ़ाकर 22.46 हेक्टेयर (लगभग चार गुना) किया जा रहा है। साथ ही अगले 50 वर्षों की जरूरतों को देखते हुए विशाल पार्किंग बनाई जाएगी। आम जनता की सुविधा के लिए मेट्रो स्टेशन से कवर्ड पाथ-वे, हाकर्स कार्नर और सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था भी इस मास्टर प्लान का हिस्सा है।

**साझा छत से बिजली व शीतलता :** प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी विशेषता 12 टावरों को जोड़ने वाली एक साझा छत (परगोला) होगी। इससे न केवल परिसर का तापमान कम रहेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर सोलर ऊर्जा भी पैदा की जाएगी। हालांकि, साधिकार समिति ने इस पर आने वाले अतिरिक्त खर्च का विवरण मांगा है।

## संपादकीय

### भोपाल से ट्रेड डील की सियासत : किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस की नई जमीन

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। इस बार मुद्दा है ट्रेड डील और उसके संभावित प्रभाव, जिसे लेकर कांग्रेस अपनी सियासी जमीन तैयार करती दिखाई दे रही है। पार्टी का दावा है कि प्रस्तावित व्यापार समझौतों से किसानों को नुकसान हो सकता है, और इसी आशंका को आधार बनाकर वह किसानों के बीच संवाद और जागरूकता का अभियान चला रही है। भोपाल में आयोजित होने वाला किसान सम्मेलन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जहां किसानों को संभावित आर्थिक प्रभावों को समझाने की कोशिश की जाएगी।

कांग्रेस की यह पहल केवल एक कार्यक्रम भर नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। पार्टी यह संकेत देना चाहती है कि वह किसान हितों के मुद्दे पर सक्रिय है और राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों के ग्रामीण प्रभावों को लेकर गंभीर है। खास बात यह है कि मध्य प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्य में इस मुद्दे को उठाना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में किसान समुदाय का प्रभाव चुनावी समीकरणों को प्रभावित करता रहा है, इसलिए किसानों से जुड़े मुद्दे हमेशा सियासत के केंद्र में रहे हैं।

हालांकि, यह भी उतना ही सच है कि किसी भी ट्रेड डील का वास्तविक प्रभाव जटिल आर्थिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा संभावित नुकसान का मुद्दा उठाना राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष इसे अनावश्यक भय का माहौल बनाने की कोशिश बता सकता है। यही कारण है कि यह बहस केवल आर्थिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक विमर्श का रूप लेती जा रही है। किसान, जो पहले से ही लागत, समर्थन मूल्य और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं, उनके बीच इस मुद्दे की स्वीकार्यता इस बात पर निर्भर करेगी कि उन्हें कितना ठोस और स्पष्ट तर्क प्रस्तुत किया जाता है।

भोपाल को इस अभियान का केंद्र बनाना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। राजधानी होने के साथ-साथ यह प्रदेश की प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। यहां से उठने वाली आवाज का संदेश पूरे प्रदेश और देश तक जाता है। कांग्रेस संभवतः यही चाहती है कि किसान हितों से जुड़ा यह मुद्दा राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बने और उसे राजनीतिक समर्थन भी मिले। फिलहाल, यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस पहल का जमीनी स्तर पर कितना प्रभाव पड़ेगा। किसानों की प्रतिक्रिया, आर्थिक तथ्यों की स्पष्टता और राजनीतिक विश्वसनीयता—ये तीनों कारक तय करेंगे कि यह अभियान केवल एक सियासी कार्यक्रम बनकर रह जाएगा या वास्तव में जनसमर्थन हासिल कर पाएगा। अंततः, ट्रेड डील पर कांग्रेस की यह राजनीतिक पहल कितना असर डालेगी, यह आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि किसान मुद्दे पर सियासत की नई पारी भोपाल से शुरू होती नजर आ रही है।

# 'मनुष्य की सार्थकता मननशील होकर सत्य व असत्य को जानने और सत्य (धर्म) का आचरण करने में है'

**मनमोहन कुमार आर्य**

मनुष्य किसे कहते हैं? इसका सबसे युक्तियुक्त एवं यथार्थ उत्तर ऋषि दयानन्द ने अपने ग्रन्थ सत्यार्थप्रकाश के स्वमन्वयामन्तव्य प्रकरण में दिया है। मनुष्य की परिभाषा एवं उसके मुख्य कर्तव्य का उद्घोष करते हुए वह लिखते हैं 'मनुष्य उसी को कहना (अर्थात् मनुष्य वही होता है जो) मननशील होकर स्वात्मवत् अन्यों के सुख-दुःख और हानि-लाभ को समझे। अन्यायकारी बलवान् से भी न डरे और धर्मात्मा निर्बल से भी डरता रहे। इतना ही नहीं किन्तु अपने सर्व सामर्थ्य से धर्मात्माओं कि चाहे वे महा अनाथ, निर्बल और गुणरहित क्यों न हों, उन की रक्षा, उन्नति, प्रियाचरण और अधर्मी (मानवता, सत्य-सिद्धान्तों, देश, समाज व हितकारी प्राणियों के हितों के विरुद्ध आचरण करने वाला) चाहे चक्रवर्ती सनाथ, महाबलवान् और गुणवान् भी हो तथापि उस का नाश, अवनति और अप्रियाचरण सदा किया करे अर्थात् जहां तक हो सके वहां तक अन्यायकारियों के बल की हानि और न्यायकारियों के बल की उन्नति सर्वथा किया करे। इस काम में चाहे उस को (मनुष्य नामी प्राणी को) कितना ही दारुण दुःख प्राप्त हो, चाहे प्राण भी भले ही जावें परन्तु इस मनुष्यपनरूप धर्म से पृथक् कभी न होवे।'

सभी मनुष्य मननशील होते हैं अथवा नहीं, इसका उत्तर है कि संसार में बहुत कम मनुष्य ही मननशील होते हैं। मनन करने के लिये अनेक विषय होते हैं। प्रथम विषय तो स्वयं को जानना है। इस संबंध में विचार करते हैं तो हम पाते हैं कि संसार में अधिकांश या सभी लोग स्वयं को नहीं जानते। वह बहुत सी बातें, ज्ञान व विज्ञान तथा इतिहास आदि को जानते हैं परन्तु वह स्वयं कौन हैं, क्या हैं, कहां से आये हैं, मरने के बाद कहां जायेंगे, क्या मृत्यु होने पर उनका अस्तित्व नष्ट हो जायेगा या रहेगा, मृत्यु के बाद पुनर्जन्म होता है अथवा नहीं होता, होता है तो इसका आधार व कारण क्या होता है, आत्मा अनादि है या उत्पत्तिधर्मा है, यह अमर और अविनाशी है या मरणधर्मा और नाशवान, ऐसे अनेक प्रश्न हैं जिनको 95 प्रतिशत से अधिक लोग न तो जानते हैं और न जानने का प्रयास करते हैं। उनके मत, पन्थ व सम्प्रदायों के आचार्य अपने अनुयायियों को जो अविद्यायुक्त बातें बता देते हैं, वह उसी को मानते व उसके अनुसार ही आचरण करते हैं। इसी प्रकार हमारे सम्मुख सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हमारे शरीर को किसने व क्यों बनाया, इस संसार की उत्पत्ति का निमित्तकारण अर्थात् सृष्टि का कर्ता कौन है?, है भी अथवा नहीं, है तो कैसे और नहीं है तो क्यों नहीं है, ईश्वर में ज्ञान व कर्म स्वाभाविक हैं व नैमित्तिक हैं? ईश्वर सृष्टि किस पदार्थ से कैसे बनाता है। इन प्रश्नों पर भी मनुष्य को विचार करना चाहिये और इन सभी प्रश्नों के सत्य एवं यथार्थ उत्तर ढूंढने चाहियें। अध्ययन व अनुभव से यह ज्ञान होता है कि इन प्रश्नों का उत्तर न तो वैज्ञानिकों के पास है, न ही सभी ज्ञानियों के पास और न ही सभी मत-मतान्तरों व उनके आचार्यों के पास हैं। उनकी धर्म पुस्तकें इन प्रश्नों का समाधान नहीं करती। इसका कारण यह है कि वेद के अतिरिक्त संसार के सब ग्रन्थ अल्पज्ञ जीवों की रचनायें हैं। अल्पज्ञ जीव व मनुष्य की कृति व रचना अपूर्ण होती है। उसमें अनेक न्यूनतायें होती हैं। आधुनिक विज्ञान बहुत आगे जा चुका है परन्तु आज से सौ-दो सौ वर्ष पूर्व उसके अपने सिद्धान्त व मान्यतायें भी अपूर्ण व भ्रमयुक्त थे। वैज्ञानिकों द्वारा प्रकृति में घटने वाले सत्य व असत्य नियमों का कई शताब्दियों से चिन्तन व मनन होता रहा जिसका परिणाम आधुनिक विज्ञान की मान्यतायें है। इसी आधार पर विज्ञान के नियमों का उपयोग कर अनेक उपयोगी यन्त्रों का निर्माण किया गया है। इन यन्त्रों से सारा संसार सुख व सुविधा अनुभव करता है। मनुष्य के शरीर में बुद्धि नामक एक करण भी है। परमात्मा ने मनुष्य को यह बुद्धि मनन करने के लिये ही दी है। उसका विकास व उन्नति होनी चाहिये। वर्तमान समय में मनुष्य मत-मतान्तरों की अविद्या व बन्धनों में फंसा हुआ है। सद्विद्या प्राप्ति में सरकारी व्यवस्थायें भी अनुकूल व सहयोगी नहीं हैं। इस विषय में बहुत कुछ कहा जा सकता है। आजकल की शिक्षा में विद्या की मात्रा बहुत अल्प है। इसका अधिकांश भाग अविद्या से ग्रस्त है। आधुनिक ज्ञान विज्ञान में ईश्वर, जीवात्मा एवं इस सृष्टि के उपादान कारण प्रकृति पर भली प्रकार से ठीक-ठीक प्रकाश नहीं पड़ता। इन विषयों पर संसार में भ्रम व्याप्त है जिसके निवारण के लिये प्रयास होते नहीं दीखते।

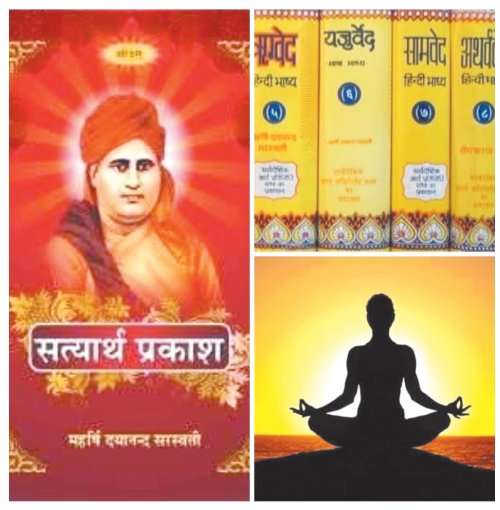









मनन अपने मन से ज्ञान के अन्तर्गत आने वाले विषयों के अध्ययन व चिन्तन करने को कह सकते हैं। मनुष्य वह होता है जो ज्ञान प्राप्ति कर उसके अनुसार आचरण भी करता है। जो मनुष्य ज्ञान, सामाजिक नियमों व सत्य मान्यताओं के विरुद्ध आचरण करता है वह समाज व देश में निन्दनीय होता है। मनन की अवस्था से ऊंची एक अवस्था विवेक ज्ञान से युक्त होने की होती है। विवेक की प्राप्ति मुख्यतः उन लोगों को होती है जो वेदादि साहित्य का अध्ययन, आचरण व योगाभ्यास का विधिवत अभ्यास कर संसार में सर्वत्र व्याप्त ईश्वर का साक्षात्कार करने में सफल होते हैं। ईश्वर के साक्षात्कार से मनुष्य का अज्ञान पूरी तरह से नष्ट हो जाता है। वह निर्भ्रान्त हो जाते हैं। मुण्डक उपनिषद के ऋषि का वचन है 'भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यन्ते सर्वसंशयाः। क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन्दृष्टे पराऽवरे।।' इसका ऋषि दयानन्द जी का किया हुआ अर्थ है 'जब इस जीव के हृदय की अविद्या अज्ञानरूपी गांठ कट जाती है, (तब) सब संशय छिन्न होते और दुष्ट कर्म क्षय को प्राप्त होते हैं। तभी उस परमात्मा (का) जो कि अपने आत्मा के भीतर और बाहर व्याप रहा है, उस में निवास करता (स्थित होता व साक्षात्कार करता) है।' परमात्मा में निवास का अर्थ उसका साक्षात्कार वा प्रत्यक्ष करने सहित समाधि अवस्था में जो आनन्द की उपलब्धि होती है, उस स्थिति की प्राप्ति अभिप्रेत है। विवेक को प्राप्त व्यक्ति की अवस्था जीवन-मुक्त मनुष्य की अवस्था होती है। वह जीवित तो होता है परन्तु उसका जीवन सुख व सम्पत्ति के भोग के लिये न होकर ईश्वर के चिन्तन-मनन सहित समाधि अवस्था में स्थित रहने तथा स्वार्थ का पूर्णतः त्याग कर परहित के कार्यों यथा विद्या का प्रसार, धर्मोपदेश आदि में जीवन बिताने का होता है। ऋषि दयानन्द जी ऐसे ही पुरुष थे। आर्यसमाज में ऐसे अनेक पुरुष हुए हैं। पं. लेखराम, स्वामी श्रद्धानन्द और पं. गुरुदत्त विद्यार्थी सहित स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती एवं आचार्य डा. रामनाथ वेदालंकार जी को भी ऐसे जीवन-मुक्त व्यक्तियों में सम्मिलित कर सकते हैं। संसार में विवेक प्राप्त व जीवनमुक्त मनुष्य न के बराबर है। विचार करने पर यही ज्ञात होता है कि हमें मनुष्य जीवन मनुष्य बनने और विवेक प्राप्त करने के लिए ही मिला है परन्तु हम इन ऐश्वर्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न नहीं करते।

हमने जो चर्चा की है उससे यह स्पष्ट होता है कि संसार में सत्य व असत्य को जानने व सत्याचरण करने वाले मननशील मनुष्य बहुत कम हैं। अधिकांश मनुष्य अविद्या व कुछ सामान्य विद्या से युक्त स्कूली शिक्षा को पढ़कर धन सम्पत्ति कमाने तथा सुख भोग आदि में ही अपना जीवन व्यतीत कर देते हैं। वह जिस मत में जन्म लेते हैं उससे बाहर निकल कर वेदाध्ययन, स्वतन्त्र अध्ययन व चिन्तन नहीं करते। उन्हें इसकी आवश्यकता भी अनुभव नहीं होती। यदि उन्हें विद्या का महत्व पता होता तो वह अवश्य विद्या प्राप्ति के लिये प्रयत्न करते। ऋषि दयानन्द जी को जब विद्या का महत्व विदित हुआ तो उन्होंने इसके लिये अपना घर, अपने माता-पिता, कुटुम्बी, मित्र व ग्राम तक का त्याग कर दिया था और विद्या प्राप्ति के लिये बहुत ही संघर्ष एवं कष्ट-साध्य जीवन व्यतीत किया। यदि संसार के सभी मनुष्य ऋषि की इस भावना के पच्चीस प्रतिशत भावना वाले भी होते तो यह विश्व सबके लिये सुख का धाम बन जाता। मत-मतान्तरों पर दृष्टि डालते हैं तो विदित होता है कि वह अविद्या को दूर करने और विद्या को जन-जन में पहुंचाने के इच्छुक नहीं हैं। वह अपने मत का और अपना प्रभाव बढ़ाना ही अपना उद्देश्य व कर्तव्य समझते हैं। उन्हें ईश्वर व आत्मा को जानने तथा मनुष्य जीवन के उद्देश्य व उसको प्राप्त करने के साधनों को जानने में भी किंचित रुची नहीं है। इसी कारण से पूरे विश्व में अशान्ति है। समय-समय पर अनेक देशों में आपस में युद्ध आदि भी होते रहते हैं। कुछ मत-मतान्तर दूसरे देशों के लोगों को जो उनके मत से भिन्न मतों को मानते हैं, उनके धर्मान्तरण व मतान्तरण सहित अपनी जनसंख्या वृद्धि में लगे रहते हैं। वह यह भी सोचने का कष्ट नहीं करते कि उनके कारण किन-किन मनुष्यों को किस-किस प्रकार से कष्ट पहुंच रहा है। अतः संसार में प्रायः सभी वा अधिकांश मनुष्य सत्याचरण से प्रायः दूर ही हैं। सत्याचरण तभी हो सकता है कि जब मनुष्य को सत्य व असत्य का ज्ञान हो, सत्य के लाभ और असत्य की हानियों का भी पता हो तथा वह सत्य के पालन में दृण प्रतिज्ञ हों। ऐसा न होने पर सत्याचरण नहीं हो सकता। हमारे देश में सभी ऋषि, मुनि व योगयों सहित राम, कृष्ण, चाणक्य, दयानन्द जी आदि सत्याचरण करते थे। इनका जीवन आदर्श जीवन था। इन्हीं का अनुकरण हम सबको करना है। सत्याचरण ही मनुष्य का धर्म एवं कर्तव्य है। इससे मनुष्य का वर्तमान जीवन भी उन्नत व सुखी होता है तथा परलोक भी सुधरता है। ऋषि दयानन्द ने संसार के सभी मनुष्यों की सहायता के लिए सत्यार्थप्रकाश ग्रन्थ सहित पंचमहायज्ञ विधि, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, संस्कारविधि एवं आर्याभिविनय आदि अनेक ग्रन्थ लिखकर अविद्या को दूर करने का प्रयत्न किया था। इन ग्रन्थों से अविद्या दूर हो सकती थी परन्तु संसार के लोगों ने अपने अज्ञान व अज्ञान पर आधारित हितों के कारण इन पर ध्यान ही नहीं दिया। यह सुनिश्चित है कि यदि हम मननशील व विवेकवान् नहीं बनेंगे और सत्याचरण नहीं करेंगे तो हमारा इहलोक एवं परलोक नहीं सुधरेगा। हमारे जीवन में 'चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात' वाली कहावत चरितार्थ होगी। अतः हम सबको मननशील होकर, सत्य व सत्य धर्म का अनुसंधान कर सत्याचरण करना है। इस कार्य में वेद, दर्शन एवं उपनिषदों के अध्ययन सहित ऋषि दयानन्द एवं उनके अनुयायी विद्वानों के ग्रन्थ परम सहायक हैं। इसी के साथ इस लेख को विराम देते हैं। ओ3म् शम्।

# घाटे में राज्य, फिर क्यों बांट रहे मुफ्त की रेवड़ियां?

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त योजनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे देश के आर्थिक विकास में बाधक बताया है। न्यायालय ने कहा कि राज्यों को मुफ्त उपहारों के बजाय बेरोजगारी योजनाओं जैसी नियोजित कल्याणकारी नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो सार्वजनिक वित्त को नुकसान पहुंचाए बिना जीवन स्तर में सुधार करें। गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों के राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त योजनाओं के वितरण की कड़ी आलोचना की और सार्वजनिक वित्त पर इसके प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। न्यायालय ने कहा कि राजनीतिक दलों को मुफ्त योजनाओं के माध्यम से संसाधन वितरित करने के बजाय, ऐसी सुनियोजित नीतियां बनानी चाहिए जो लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाली योजनाएं पेश करें, जैसे कि बेरोजगारी योजनाएं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि इस तरह के फिजूलखर्ची से देश का आर्थिक विकास बाधित होगा। हां, संसाधन उपलब्ध कराना राज्य का कर्तव्य है, लेकिन जो लोग मुफ्त योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं... क्या इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है? मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि राज्य घाटे में चल रहे हैं, फिर भी मुफ्त योजनाएं दे रहे हैं। देखिए, आप एक वर्ष में जो राजस्व एकत्र करते हैं, उसका 25 प्रतिशत राज्य के विकास के लिए क्यों नहीं इस्तेमाल किया जा सकता? न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के सभी राज्यों से संबंधित है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि हम किसी एक राज्य की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि सभी राज्यों की बात कर रहे हैं। यह नियोजित व्यय है। आप बजट प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करते और यह औचित्य क्यों नहीं देते कि यह बेरोजगारी पर मेरा व्यय है? कभी मात्र चुनावी वादे माने जाने वाले मुफ्त पैकेज अब भारत में चुनाव जीतने की एक महत्वपूर्ण रणनीति बन गए हैं। इक्विटास इन्वेस्टमेंट्स की एक रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे राजनीतिक दल कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मुफ्त पैकेजों का सहारा लेकर वोट हासिल करने के लिए तेजी से निर्भर हो रहे हैं।

# नेता मंच पर, कार्यकर्ता पंचनामे में और लोकतंत्र जिंदाबाद!

**व्यंग्य**
**पवन वर्मा**

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान ही प्रदेश की व्यापारिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी में एक ही दिन लोकतंत्र का एक और 'उत्सव' संपन्न हुआ। पत्थरों की वर्षा के बीच विचारधारा की ऐसी गंगा बही कि कार्यकर्ता सीधे अस्पताल और फिर थाने के दर्शन कर आए।

लोकतंत्र की खूबसूरती देखिए। पहले नारे, फिर धक्का-मुक्की, फिर पथराव, और अंत में एफआईआर।

सुबह तक जो कार्यकर्ता पार्टी के 'शेर' थे, शाम होते-होते मेडिकल रिपोर्ट और जमानत के कागज़ ढूंढते नजर आए। लोकतंत्र में भागीदारी का यह नया मॉडल है पहले जोश दिखाओ, और जब होश में आओ तो वकील खोजो।

भोपाल में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर के बाहर और इंदौर में जो दृश्य बने, वो किसी राजनीतिक बहस से ज्यादा एक एक्शन फिल्म के क्लाइमेक्स जैसे थे। फर्क बस इतना था कि यहां 'कट' बोलने वाला कोई डायरेक्टर नहीं था। कैमरे जरूर थे मीडिया के और जब कैमरे होते हैं तो जोश थोड़ा और बढ़ जाता है।

कार्यकर्ता बेचारे क्या करें? उन्हें बताया गया, लोकतंत्र खतरे में है, दफ्तर घेरना है, आवाज बुलंद करनी है। उन्होंने आवाज इतनी बुलंद की कि पत्थर भी उड़ चले। उधर सामने वाले भी कम नहीं थे, उन्होंने भी सोचा, लोकतंत्र बचाना है तो जवाब तो देना ही पड़ेगा फिर क्या था, लोकतंत्र दोनों तरफ से सुरक्षित कर लिया गया।



अब दृश्य बदला है। अस्पताल के बाहर पट्टियां बंधी हैं, सोशल मीडिया पर बयानबाजी है, और थाने में धाराएं लगी हैं। पुलिस ने निष्पक्षता का परिचय देते हुए दोनों तरफ के कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर लिया है आखिर कानून सबके लिए बराबर है। जो भी पत्थर फेंके, उसे कोर्ट का रास्ता दिखे।

और नेता जी ? वे बयान दे रहे हैं, कोई कह रहा है कि हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हमला हुआ। दूसरा कह रहा है कि हमारे दफ्तर पर सुनियोजित हमला था। दोनों तरफ से शब्दों के पत्थर अब भी चल रहे हैं, बस फर्क इतना है कि अब वे कागज और कैमरे के जरिए फेंके जा रहे हैं।

लेकिन असली नायक कौन? वही जमीनी कार्यकर्ता, जो दरियां बिछाता है, झंडे लगाता है, पर्चे बांटता है, घर घर जाकर वोटर निकालता है, जिसने जोश में आकर पार्टी का मान रखा और अब वकील का नंबर मोबाइल में सेव कर रहा है।

उसे अब समझाया जा रहा है। 'डरो मत, पार्टी तुम्हारे साथ है।' लेकिन वह अच्छी तरह से जानता है कि हां, साथ है, बयान में, ट्वीट में, और प्रेस कॉन्फ्रेंस में। कोर्ट की तारीख पर साथ कौन जाएगा, यह अगली रणनीतिक बैठक में तय होगा।

लोकतंत्र में भागीदारी का यह व्यावहारिक पाठ बड़ा रोचक है। पहले नारे लगाओ, 'हम लड़ेंगे!' फिर पुलिस कहे, 'अच्छा, अब थाने चलिए।' वहां से आवाज आती है 'वकील साहब, जमानत कराइए।'

कोर्ट-कचहरी का चक्कर भी लोकतंत्र का ही हिस्सा है। तारीख पर तारीख मिलती है, और हर तारीख पर कार्यकर्ता को याद आता है कि उसने पत्थर किस विचारधारा के लिए उठाया था। विचारधारा धीरे-धीरे धुंधली होती है, लेकिन केस नंबर याद रहता है।

सबसे सुंदर दृश्य तब होता है जब दोनों दलों के घायल कार्यकर्ता अस्पताल के कॉरिडोर में आमने-सामने पड़ जाते हैं। एक के सिर पर पट्टी, दूसरे के हाथ में प्लास्टर। दोनों की आंखों में एक ही सवाल। 'ये हुआ क्या?'

राजनीति में आक्रोश दिखाना आसान है, उसका दुष्परिणाम झेलना कठिन। पत्थर हवा में सेकंड भर उड़ता है, लेकिन मुकदमा सालों साल चलता है।

तो भाइयों और बहनों, अगली बार जब लोकतंत्र बचाने निकलें, तो जेब में नारा और दिल में जोश जरूर रखें, पर साथ में वकील का नंबर और थोड़ी समझदारी भी रख लें क्योंकि लोकतंत्र में पत्थर का जवाब पत्थर से नहीं, बल्कि एफआईआर से मिलता है और अंत में वही पुराना सत्य नेता मंच पर, कार्यकर्ता पंचनामे में और लोकतंत्र जिंदाबाद! (विनायक फीचर्स)

# भगोरियाः आदिवासी संस्कृति का जीवंत उत्सव

**प्रवीण कक्कड़**

संस्कृति वो जड़ है जो हमें तूफानों में भी खड़ा रखती है, और उत्सव वो टहनी है जिस पर खुशियों के फूल खिलते हैं। ?फाल्गुन की हवाओं में जब पलाश के सुर्ख फूलों की मादक गंध घुलने लगती है और खेतों में गेहूँ की बालियाँ सुनहरी होकर झूमने लगती हैं, तब आदिवासी क्षेत्रों की पहाड़ियों में एक अलग ही संगीत गूँजने लगता है। यह संगीत है भगोरिया का। भगोरिया केवल एक लोक-उत्सव नहीं है, यह मालवा और निमाड़ के आदिवासी समाज के स्वाभिमान, उनकी सादगी और प्रकृति के प्रति उनके अगाध प्रेम का जीवंत घोषणापत्र है। यह उत्सव बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक क्यों न हो जाए, अपनी जड़ों की ओर लौटने का आनंद ही कुछ और है।

आज के दौर में जब हम भगोरिया को देखते हैं, तो एक तरफ पारंपरिक मांदल की थाप है और दूसरी तरफ आधुनिकता का शोर। करीब चार दशक पहले मेरी पुलिस विभाग की पहली पोस्टिंग यहीं हुई थी, तब से अब तक परिदृश्य बहुत बदला है। जहाँ कभी प्रकृति की प्रधानता होती थी, वहाँ अब बाजारवाद का रंग भी चढ़ने लगा है। मेलों में अब केवल ढोल-ताशे नहीं, बल्कि लाउडस्पीकरों पर बजते फिल्मी गीत और ब्रांडेड कपड़ों की चमक भी दिखाई देती है।

लेकिन, इस बदलाव के बीच सबसे सुखद पहलू यह है कि इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का बीड़ा खुद आदिवासी समाज ने उठाया है। युवाओं के हाथों में आज स्मार्टफोन भले ही हों, लेकिन उनके पैरों में थिरकन आज भी उसी 'मांदल' की लय पर आती है जो उनके पूर्वजों की थी। यह उनकी अपनी पहचान को बचाए रखने की एक मौन लेकिन सशक्त क्रांति है।

मेरी स्मृतियाँ मुझे करीब चार दशक पीछे ले जाती हैं। पुलिस सेवा में प्रवेश के ठीक बाद मेरी पहली पोस्टिंग आदिवासी अंचल झाबुआ में हुई थी। वह एक ऐसा दौर था जब प्रशासनिक जिम्मेदारियों की तुलना में मुझे इस अंचल की जीवन-शैली को समझना ज्यादा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक लगा। खाकी वर्दी पहनकर जब मैं पहली बार भगोरिया की व्यवस्था संभालने पहुँचा, तो मैं दंग रह गया। वहाँ कानून नहीं, बल्कि लोक-परंपरा का अनुशासन था। वह जीवंतता, वह निश्छल मुस्कान और सांस्कृतिक गरिमा आज भी मेरी आँखों में उतनी ही ताज़ा है, जितनी उस समय थी। भगोरिया का आयोजन होली से ठीक सात दिन पहले शुरू होता है। यह वह समय है जब रबी की फसल कटकर घर आ चुकी होती है और किसान के पास अपनी मेहनत का जश्न मनाने का वक्त होता है। साप्ताहिक हाटों के रूप में लगने वाले ये मेले किसी बड़े सांस्कृतिक कुंभ से कम नहीं होते। दूर-दराज के गाँवों से युवक-युवतियाँ अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर टोलियों में निकलते हैं। चांदी के हंसली, कड़े और बोर जैसे आभूषणों से लदी युवतियाँ और सिर पर साफा बाँधे हाथ में तीर-कमान या बाँसुरी लिए युवक। यह दृश्य किसी महान कलाकार की पेंटिंग जैसा प्रतीत होता है। यहाँ पहनावा केवल शरीर ढंकने का साधन नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक विरासत का एक गौरवशाली हिस्सा है।

भगोरिया की सबसे चर्चित और अक्सर गलत समझी जाने वाली परंपरा है जीवनसाथी का चुनाव। लोग इसे 'भागने' का मेला कहते हैं, लेकिन असल में यह 'चुनने' और 'स्वीकारने' की एक बेहद खूबसूरत सामाजिक व्यवस्था है। परंपरा के अनुसार, यदि कोई युवक किसी युवती को 'पान' भेंट करता है और युवती उसे स्वीकार कर लेती है, तो यह उनके आपसी प्रेम का मूक संकेत होता है। कई जगहों पर गुलाल लगाने की भी परंपरा है। यह प्रेम की वह सहज और सार्वजनिक स्वीकृति है। इसके बाद होने वाले सामाजिक रीति-रिवाज उनके रिश्ते को विवाह की पवित्रता में बदल देते हैं। दरअसल यह परंपरा हमें सिखाती है कि प्रेम में जबरदस्ती नहीं, बल्कि आपसी सहमति की खुशबू होनी चाहिए।

लोक श्रुतियों के अनुसार, भगोरिया का इतिहास राजा भोज के समय से जुड़ा है। माना जाता है कि दो भील राजाओं, कासूमार और बालून ने भागोर नामक स्थान पर इस मेले की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे यह परंपरा आसपास के क्षेत्रों में फैल गई और 'भागोरिया' के नाम से अमर हो गई। ऐतिहासिक प्रमाण चाहे जो भी कहें, लेकिन भील समाज के लिए यह उनकी वीरता और पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक माध्यम भी है।

आज जब हम 2026 के पायदान पर खड़े हैं, भगोरिया के सामने कई चुनौतियां हैं। सेल्फी संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव ने मेलों की निजता को थोड़ा प्रभावित किया है। बाज़ारी ताकतों ने स्वदेशी हाटों की जगह प्लास्टिक और बनावटी वस्तुओं को बढ़ावा दिया है। किंतु, प्रशंसा करनी होगी उस आदिवासी युवा की, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने और शहरों में नौकरी करने के बावजूद, भगोरिया के इन सात दिनों में अपने गाँव लौट आता है। वह कोट-पैंट उतारकर अपनी पारंपरिक पोशाक पहनता है और मांदल की थाप पर पूरी शिद्दत से थिरकता है। भगोरिया केवल आदिवासियों का पर्व नहीं है, यह समूचे भारत की सांस्कृतिक विविधता का गौरव है। यह हमें याद दिलाता है कि मिट्टी से जुड़ाव ही इंसान को आसमान छूने की ताकत देता है। प्रशासन और नागरिक समाज का यह दायित्व है कि हम इस उत्सव की मौलिकता को बचाए रखें। हमें पर्यटन के नाम पर इसे 'तमाशा' बनने से रोकना होगा और इसकी सांस्कृतिक शुचिता को बनाए रखना होगा। जब भी फाल्गुन की हवा में रंगों की आहट होती है, मुझे झाबुआ की वे पगडंडियाँ याद आती हैं। भगोरिया जीवन का वह राग है, जो हमें सिखाता है कि अभावों में भी कैसे भरपूर जिया जाता है। यह उत्सव है साहस का, सामूहिकता का और उस चिरंतन प्रेम का जो सदियों से इस मिट्टी में बसा है। (विनायक फीचर्स)

# निखिल पारद्देशवर मंदिर में प्रदेश की खुशहाली के लिए हेमंत खंडेलवाल ने सूर्य पुत्री माँ ताप्ती के शुद्ध जल से अभिषेक किया






**बैतूल।** शनिवार को चिखलार स्थित निखिल पारद्देशवर मंदिर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विधायक हेमंत खंडेलवाल ,ने सूर्य पुत्री माँ ताप्ती के शुद्ध जल से अभिषेक पूजन कार्यक्रम कर प्रदेश की खुशहाली की कामना कि। इस अवसर पर सदगुररूदेव नारायण दत्त श्रीमाली द्वारा स्थापित शिवलिंग का अभिषेक पूजन कार्यक्रम किया गया। सिद्श्राम साधक परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के में निखिलेश्वर महाराज का छायाचित्र भेंट किया गया। साधकों को संबोधित करते हुए हेमंत खंडेलवाल ने कहा की 90 के दशक परम पूज्य गुरुदेव नारायण दत्त श्रीमाली बैतूल की पावन धरा पर पहुँचें थे जब उनके दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। गुरु भक्ति से देवताओं के दर्शन करने का सौभाग्य मिलता है पवित्र हिन्दू धर्म स्थलों के लिए मोहन सरकार ने विजन बनाया है। बैतूल जिले के लिए चिखलार स्थित पारद्देशवर शिवलिंग भव्य तेजस्वी धार्मिक स्थलों में शिवलिंग को संपूर्ण देश में पहचान मिल सकें हम धार्मिक स्थल के सौदर्करण के लिए रानीपुर, सारनी सडक मार्ग से मंदिर तक पहुँच मार्ग सौदर्करण के लिए 1 किलोमीटर दूरी की पक्की सड़क मूलभूत सुविधाएं, विकास कार्य करने का आश्वासन दिया गया। मंदिर की भव्यता के सबंध में जनकलाल मवासे, ने विस्तृत रूप से जानकारी से अवगत कराया गया। मंच पर मौजूद जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, विक्रम वैध, विकास मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य विलकीश बारस्कर मनोज जगताप, गोवर्धन राने, विनय जितपूरे,साधकों ने अतिथियों का फूल मालाओ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण जिले के गुरूभक्त साधक शामिल हुए। मंच संचालन विशाल पिपरोले द्वारा किया गया। ट्रस्ट के वृदांवन यादव, कैवलराम काले, कमलाकर धाडसे, अरविंद सोनी, गोलू सोनी मौजूद थे।

## BOIPARA एमपी एवं सीजी यूनिट की भोपाल में ऐतिहासिक वार्षिक आम बैठक : 150 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारी पेंशन अधिकार एवं कल्याण के लिए एकजुट

भोपाल। बैंक ऑफ इंडिया पेंशनर्स एवं रिटायर्ड एम्प्लॉइज़ एसोसिएशन, एमपी एवं सीजी यूनिट ने आज भोपाल में अपनी 9वीं वार्षिक आम बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता यूनिट अध्यक्ष कॉम. ए.के. वत्सल ने की। इस बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 150 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पेंशनभोगियों के कल्याण एवं अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

महासचिव कॉम. अभय वर्मा ने ख्र्द्धठ्ठद्म शद्ब ढ्ढठ्ठस्त्रद्बड्ड के वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया तथा वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर एक विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं में शामिल थे:

कॉम. पी.एस. पाटकी, अध्यक्ष - रिटायरीज फेडरेशन

कॉम. हरविंदर सिंह, महासचिव - बीओआई रिटायरीज फेडरेशन

उन्होंने सभा को निम्न विषयों पर अवगत कराया:

1. पेंशन अपडेटेशन में हालिया प्रगति
2. स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कमी हेतु जारी प्रयास
3. अधिकारी वर्ग से संबंधित लंबित न्यायालयीन मामलों की स्थिति

बैठक में कॉम. पट्टनायक (जोनल मैनेजर, बीओआई भोपाल), श्री सुबोध कुमार (डीजीएम, भोपाल), कॉम. कुलदीप स्वर्णाकर (महासचिव, बीओआई वर्किंग यूनिट), कॉम. विकास पांडे, कॉम. एस. सोमानी एवं कॉम. विश्वजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। ढ्ढक्चक्रष्ट के मार्गदर्शक एवं वरिष्ठ नेताओं ने भी भाग लेकर अपना समर्थन प्रदान किया। बैठक का समापन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अधिकारों की प्राप्ति एवं उनके कल्याण हेतु सामूहिक प्रयासों को निरंतर जारी रखने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ।

## भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 70 वाँ एआईएमए स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय प्रबंधन दिवस मनाया

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के 70वें स्थापना दिवस के साथ राष्ट्रीय प्रबंधन दिवस के अवसर पर 'ट्रांसफॉर्मिंग फॉर टुमॉरोः ग्रोथ विद रेज़िलिएंस' विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राजेश तिवारी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने प्रबंधन विद्यार्थियों एवं युवा पेशेवरों के कौशल विकास में बीएमए की निरंतर भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता श्री आर.के. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड ने वर्तमान गतिशील आर्थिक परिस्थितियों में लचीलेपन





(रेज़िलिएंस) के वास्तविक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बदलती अमेरिकी व्यापार नीतियों के भारतीय उद्योगों–विशेषकर वस्त्र उद्योग–पर पड़े प्रभाव तथा चुनौतियों से उबरने में अनुकूलन क्षमता की भूमिका पर प्रकाश डाला।

### उन्होंने विशेष रूप से कहा कि:

लचीलापन संकट के समय नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में विकसित किया जाना चाहिए

भविष्य की तैयारी हेतु स्वचालन (ऑटोमेशन) एवं प्रक्रिया आधारित प्रणाली आवश्यक है

तनाव प्रबंधन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी एक 'विशिष्ट आदत' विकसित करनी चाहिए

आधुनिक संगठनों में नेतृत्व वक्त के अनुसार होना चाहिए।

डॉ. अजय सिन्हा, उपाध्यक्ष (एचआर), टी मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमटेड ने प्रबंधन के प्रमुख कार्यों–संगठन, संचार, नेतृत्व एवं मानवीय दृष्टिकोण–पर अपने विचार व्यक्त किए।

### उन्होंने कहा

आधुनिक संगठनों को 'कर्मचारी पहले, ग्राहक बाद में' की सोच अपनानी चाहिए नेताओं को मार्गदर्शक (मेंटॅर) की भूमिका निभानी चाहिए वर्क-फ्रॉम-होम एवं लचीले कार्य समय से उत्पादकता में वृद्धि हो रही है सत्र में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा संवादात्मक चर्चा भी हुई। कार्यक्रम के समापन में उपाध्यक्ष श्री आर.जी. द्विवेदी के समापन उद्बोधन दिया ओर सफल आयोजन पर आभार व्यक्त किया श्री अजय वर्मा द्वारा कार्यक्रम संचालन किया ओर मानद सचिव श्री शंकर के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया

नए सदस्यों को प्रमाण पत्र श्री जी.के. छिब्बर द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ महेश शुक्ला श्री सुनील भार्गव, श्री एन.के. छिब्बर, एवं श्री शैलेन्द्र ओझा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। यह आयोजन भविष्य उन्मुख एवं लचीले नेतृत्व को बढ़ावा देने के प्रति बीएमए की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

### महू में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की घोषणा

# 100 बेड का नया अस्पताल और महू गांव नगर परिषद का नगर पालिका के रूप में गठन किया जाएगा

### नानाजी देशमुख प्रतिमा का अनावरण किया, चार करोड़ से भी अधिक लागत से नानाजी सरोवर की खूबसूरती देख मंत्रमुग्ध हुए मुख्यमंत्री

**महू।** महूगांव सुपर सिटी कालोनी परिसर में रविवार दोपहर ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों रुपए की सौगातों की घोषणा की। सबसे बड़ी घोषणा 100 बेड के आधुनिक अस्पताल निर्माण और आसपास के क्षेत्रों को मिलाकर नई नगर पालिका बनाने की रही। घोषणा होते ही सभा स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों और जयकारों से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने काकड़पुरा तालाब पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा का अनावरण किया। लगभग साढ़े 4 करोड़ रुपए की लागत से विकसित नानाजी देशमुख पर्यटन स्थल तथा 1 करोड़ रुपए से तैयार काकड़पुरा तालाब, पार्क और घाट का लोकार्पण भी किया गया।

इसके साथ ही 38 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण कर





शिक्षा क्षेत्र को भी मजबूती दी गई। अमृत 2.0 योजना के तहत 14.44 करोड़ रुपए की नई पेयजल लाइन, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत 7.52 करोड़ रुपए का एसटीपी प्लांट, 10.40 करोड़ रुपए की महू-नीमच रोड, 2 करोड़ रुपए का मुक्तिधाम घाट, 1.30 करोड़ रुपए का सामुदायिक भवन, 2.50 करोड़ रुपए की गायकवाड़ चौराहे से महूगांव स्कूल तक सड़क तथा 1.51 करोड़ रुपए की गो-शाला रोड निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महू को स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में मॉडल शहर बनाया जाएगा।

### प्रदेशभर के बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

# 'मन की बात' कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरक पहल : डॉ. मोहन यादव

**भोपाल।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का रविवार को प्रदेशभर में व्यापक रूप से श्रवण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के नेहरू नगर स्थित पुलिस लाइन स्टेडियम में दिव्यांग खिलाड़ियों के साथ कार्यक्रम सुना, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल जिले की बैतूल विधानसभा अंतर्गत बडोरा मंडल के ग्राम बडोरा स्थित बूथ क्रमांक 210 पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया। इस दौरान प्रदेशभर के विभिन्न बूथों पर मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से 'मन की बात' कार्यक्रम सुना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम जमीनी स्तर के नवाचारों को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का एक सशक्त माध्यम बन गया है और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार कृषि, डेयरी, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में निरंतर प्रेरणा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे देश को एकजुट करने का





कार्य करता है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की भावना को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री ने केरल के प्रेरणादायक उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे संवेदनशील प्रसंग समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सेवा भाव का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण सदैव राष्ट्र की समग्रता, एकता और उदारता पर केंद्रित रहता है तथा उनका निरंतर संवाद समाज को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा दिखाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट स्पर्धा का शुभारंभ भी किया तथा दिव्यांग खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल, डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि 'मन की बात' संवाद, सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का प्रेरणादायक माध्यम बन चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, पशुपालन एवं डेयरी प्रबंधन में तकनीकी नवाचार, तथा भारतीय पांडुलिपियों और प्राचीन ज्ञान के संरक्षण में आधुनिक तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को जनभागीदारी का आंदोलन बनाकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही प्रधानमंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकि, पूर्व विधायक श्री शिवप्रसाद राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार तथा बडोरा मंडल अध्यक्ष श्री नीतू पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 प्रतिशत गिरा भाव, 66 रुपये तक आया शेयर

## 590 करोड़ की धोखाधड़ी के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का बुरा हाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामले सामने आने के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरों का बुरा हाल है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत की गिरावट आज सुबह दर्ज की गई है। इस प्राइवेट सेक्टर के बैंक ने रविवार को हरियाणा सरकार के खातों में अपने कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा की गई 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया था। बीएसई में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर सोमवार की सुबह 10 प्रतिशत के भारी-भरकम गिरावट के बाद 75.21 रुपये के स्तर पर ओपन ही हुए हैं। लेकिन इसके बाद बैंक के शेयरों में और गिरावट देखने को मिली। 20 प्रतिशत टूटने के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 66.85 रुपये के लेवल पर आ गया। शेयर बाजार को दी जानकारी में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा कि उसने बैंकिंग रेगुलेटरी को मामले की जानकारी दी है और पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। बैंक ने बताया, शुरुआती जांच में पाया गया कि चंडीगढ़ की एक स्पेशल ब्रांड में कुछ कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार के खातों में बिना अनुमति और धोखाधड़ी की गतिविधियां कीं, जिसमें अन्य व्यक्ति/इकाइयां भी शामिल हो सकते हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा कि वर्तमान में धोखाधड़ी की राशि 590 करोड़ रुपये अनुमानित है। बैंक ने बताया कि उक्त शाखा में पहचाने गए खातों में कुल राशि लगभग 590 करोड़ रुपये के आसपास है।

**हरियाणा सरकार ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ बंद किया कारोबार :** 590 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद हरियाणा सरकार ने कड़ा एक्शन लिया है। हरियाणा सरकार ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल बैंक के साथ सभी सरकारी बिजनेस को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। कोई भी सरकारी फंड आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में ना जमा होगा, ना ही इन्वेस्ट होगा और ना ही उनके साथ कोई ट्रांजैक्शन होगा। पिछले एक साल में इस प्राइवेट बैंक के शेयरों की कीमतों में 24 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, तीन साल में इस बैंकिंग स्टॉक ने 39 प्रतिशत का रिटर्न पोजीशनल निवेशकों को दिया है। बता दें, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने आखिरी बार 2025 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.25 रुपये का डिविडेंड बांटा था।

खनन कंपनियों को बड़ी राहत!

## अपशिष्ट रिसाइक्लिंग के लिए पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** खनन क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने मौजूदा खनन पट्टों के भीतर टेलिंग्स के पुनर्चक्रण को नई पर्यावरण मंजूरी (ईसी) की अनिवार्यता से छूट दे दी है। सूत्रों के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य टिकाऊ खनन प्रथाओं को बढ़ावा देना और नियामकीय बाधाओं को कम करना है। नई व्यवस्था के तहत खनन कंपनियां अब अयस्क निष्कर्षण के बाद बचने वाले अपशिष्ट पदार्थ, यानी टेलिंग्स, को उसी स्वीकृत खनन क्षेत्र में दोबारा प्रोसेस कर उपयोगी खनिज, पानी या अन्य संसाधन निकाल सकेंगी, बिना अलग से पर्यावरण मंजूरी का इंतजार किए। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होने के साथ पर्यावरणीय प्रभाव भी कम होने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पहले स्वीकृत खदान क्षेत्रों के भीतर भी टेलिंग्स रीसाइक्लिंग जैसी गतिविधियों के लिए अलग से पर्यावरण मंजूरी लेनी पड़ती थी, जिससे परियोजनाओं में देरी होती थी और लागत बढ़ती थी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी किशोर कुमार एस ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उद्योग को अधिक स्वतंत्रता के साथ काम करने में मदद मिलेगी और परिचालन दक्षता बढ़ेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश ऊर्जा संक्रमण की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खनन गतिविधियों को तेज कर रहा है और संसाधनों के सतत उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।

# अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले और ट्रंप के नए टैरिफ से टेक्सटाइल स्टॉक्स में हलचल

**मुंबई, एजेंसी।** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले और ट्रंप के नए पैंतरे के बाद टेक्सटाइल शेयरों में सोमवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। गोकलदास एक्सपोर्ट्स का शेयर 3 प्रतिशत गिरकर एनएसई पर 766.25 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि इंडो काउंट और केपीआर मिल के शेयरों में 1.3 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इस गिरावट की मुख्य वजह टैरिफ के प्रभाव को लेकर बनी अनिश्चितता बताई जा रही है।

वहीं दूसरी ओर, काइटेक्स गारमेंट्स के शेयर में 11 प्रतिशत की जोरदार उछाल आई और यह 206 रुपये के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वेलस्पन लिविंग और पर्ल ग्लोबल के शेयरों में भी कारोबारी दौरान 4 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।

**अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला और नए टैरिफ की घोषणा:** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देते हुए कहा

कि उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। हालांकि, ट्रेड डील को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। भारत सरकार ने कहा है कि वह अदालत के इस फैसले के असर का अध्ययन कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शुक्रवार को ट्रंप ने 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसे शनिवार को संशोधित कर 15 प्रतिशत कर दिया गया। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह नया टैरिफ 24 फरवरी को सुबह 12:01 बजे (ईटी) से प्रभावी होगा। ट्रंप ने कहा कि वह 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 का सहारा ले रहे हैं, जो एक विरले ही इस्तेमाल किए जाने वाला प्रावधान है। समस्याओं से निपटने के लिए अधिकतम 150 दिनों तक 15 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की अनुमति देता है। इसके लिए किसी पूर्व जांच की आवश्यकता नहीं होती, हालांकि 150 दिनों से आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने जोर देकर कहा कि उनका व्यापक टैरिफ ढांचा बरकरार है। उन्होंने कहा, ये सभी टैरिफ जारी रहेंगे। फैसले के बाद भी ये सभी लागू रहेंगे। ट्रंप ने आगे कहा, सभी राष्ट्रीय सुरक्षा टैरिफ, धारा 232 और मौजूदा धारा 301 टैरिफ तत्काल प्रभाव से लागू रहेंगे और पूरी तरह प्रभावी होंगे। मैं धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा, जो हमारे सामान्य टैरिफ के अतिरिक्त होगा। भारत और अमेरिका ने अपने मुख्य व्यापार वार्ताकारों के बीच होने वाली एक अहम बैठक को स्थगित कर दिया है। यह बैठक इस सप्ताह वाशिंगटन में होनी थी। सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस बैठक में प्रस्तावित अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते के कानूनी पाठ को अंतिम रूप दिया जाना था।

कारोबारियों की होगी बल्ले-बल्ले

## 80 हजार करोड़ रूपये का बिक्री का कैट ने किया दावा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि आगामी होली के त्योहार से इस वर्ष पूरे भारत में

80,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ये पिछले वर्ष के अनुमानित 60,000 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने की अपील के कारण इस होली पर बाजारों में भारत में बने उत्पादों का दबदबा है। भारत में निर्मित हर्बल गुलाल, प्राकृतिक रंग, पिचकारी, गुब्बारे, पूजा सामग्री, चंदन, परिधान और विभिन्न उत्सव संबंधी वस्तुओं की मांग में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जबकि चीनी वस्तुओं की बाजार में मांग 2021 से काफी कम हो गई है।

### वोकल फॉर लोकल अभियान से मिला स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा

होली से जुड़ी वस्तुओं के साथ-साथ, बाजारों में मिठाइयों, सूखे मेवों, उपहारों, फूलों, फलों, कपड़ों, फर्नीचर के कपड़ों, किराना सामान, एफएमसीजी उत्पादों और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की भी भारी मांग देखी जा रही है। होली खेलने के लिए सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और सलवार सूट, साथ ही हैप्पी होली प्रिंट वाली टी-शर्ट की भी खूब बिक्री हो रही है। सीएआईटी के अनुमानों के अनुसार, अकेले दिल्ली में त्योहारी व्यापार 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। शहर भर के बाजारों में भारी भीड़ उमड़ रही है, क्योंकि दुकानों में रंग-बिरंगे गुलाल, आकर्षक पिचकारी, गुजिया और त्योहारी उपहार पैक प्रदर्शित किए जा रहे हैं। सीएआईटी ने कहा, मिठाई की दुकानों में भी मांग में भारी उछाल देखा जा रहा है, खासकर गुजिया जैसी पारंपरिक होली की मिठाइयों की। खंडेलवाल ने कहा कि देशभर में होली का उत्सव बड़े पैमाने पर आयोजित होता है।

# बिटकॉइन में भारी गिरावट: आ गया 65,000 डॉलर के नीचे

आठ महीने के निचले स्तर पर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 23 फरवरी को एशियाई कारोबार में 65,000 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल गई, जो आठ महीनों में इसका सबसे निचला स्तर है। कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के मुताबिक, शुरुआती एशियाई कारोबार में यह गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की स्थिति को लेकर बढ़ी अनिश्चितता के बीच आई है।

डेल्टा एक्सचेंज की शोध विश्लेषक रिया सहगल के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप की 15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ घोषणा ने वैश्विक जोखिम वाली एसेट्स को झटका दिया, जिससे जोखिम से बचाव का रुख बना। निवेशक अब सोना जैसे सेफ हेवन के तरफ झुके हैं, जिसमें 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जबकि जोखिम कम करने के कदमों ने क्रिप्टो में बिकवाली को बढ़ा दिया।

मुद्रेक्स के प्रमुख क्वांट विश्लेषक अक्षत सिद्धांत ने मिंट को बताया कि यह गिरावट एशियाई बाजारों में ट्रंप के सप्ताहांत में घोषित 15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ की प्रतिक्रिया के रूप में आई है। उन्होंने कहा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले टैरिफ को अमान्य किए जाने के बाद टैरिफ के नए सेट ने बाजारों में जोखिम से बचाव का भाव पैदा कर दिया। इसके अलावा, ईटीएफ से लगातार बाहर निकलने की होड़ ने भी बिकवाली के दबाव को बढ़ा दिया। गौरतलब है कि जहां बिटकॉइन को झटका लगा है, वहीं पूरा क्रिप्टोकरेंसी मार्केट प्रभावित हुआ है। एक ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम 5.2 प्रतिशत फिसल गई। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार, क्रिप्टो मार्केट कैप भी 2.23 ट्रिलियन डॉलर के लाल निशान में है, जबकि कारोबारी मात्रा 67.07 बिलियन डॉलर है। बिटकॉइन का बाजार दबदबा 58.1 प्रतिशत है, एथेरियम 10.1 प्रतिशत और अन्य टोकन 31.8 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, एथेरियम 1,868.69 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो 5.25 प्रतिशत की गिरावट है। इसका मार्केट कैप 225.53 बिलियन डॉलर और कारोबारी मात्रा 13.61 बिलियन डॉलर रही। डॉलर से जुड़ी ऑल्टकॉइन टीथर 0.9998 डॉलर पर कारोबार कर रही थी।

### अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले और टैरिफ में उतार-चढ़ाव का असर

20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने जीप-सक्षम ग्लोबल टैरिफ को खारिज कर दिया था, लेकिन ट्रंप ने कुछ ही घंटों में धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत शुल्क फिर से लगा दिए। 21 फरवरी को इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। इस बीच, अधिकारियों ने कहा है कि पहले से तय व्यापार समझौते सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित नहीं हैं। बिटकॉइन 4.8 प्रतिशत गिरकर लगभग 64,300 डॉलर पर आ गया, जो इस साल 6 फरवरी के बाद और पिछले साल जून के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब यह इसी स्तर पर था।

# इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी को मिला 1800 करोड़ का नया ऑर्डर

शेयरों का भाव 4 प्रतिशत बढ़ा, निवेशकों ने ली राहत की सांस

**मुंबई, एजेंसी।** इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया था। इस उछाल के पीछे की वजह 1085 इलेक्ट्रक बसों का ऑर्डर है। जिसकी जानकारी कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी है। बता दें, शेयरों को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने आज 23 फरवरी को इस वर्क ऑर्डर की जानकारी दी है।

**1800 करोड़ रुपये का मिला है काम:** स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने बताया है कि उनसे जुड़ी कंपनी एवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड को दो वर्क ऑर्डर तेलंगाना राज्य सरकार से मिला है। जिसमें 1085 इलेक्ट्रिक बस के सप्लाई, ऑपरेशंस और मेंटनेंस का काम शामिल है। इस वर्क ऑर्डर के तहत कंपनी को 1025, 12 मीटर नॉन एसी बस सप्लाई करने का काम और 60 12 मीटर एसी बस सप्लाई करने काम मिला है। इन बसों की डिलीवरी 20 महीने में करनी है।

एवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड इन बसों को ओलेक्ट्रा ग्रीन से खरीदेगा। 1085 बसों की कुल वैल्यू 1800 करोड़ रुपये है। कंपनी को 12 साल तक इन बसों के मेंटनेंस का काम भी देखना है।

**शेयरों में तेजी से गदगद निवेशक:** बीएसई में आज सोमवार को कंपनी के शेयर 1015.50 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 1061 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। इस सुस्त पड़े शेयरों में आई इस तेजी ने निवेशकों को खुश कर दिया है। एक साल में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों की कीमतों में 12.53 प्रतिशत की की गिरावट आई है। वहीं, दो साल में इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली इस कंपनी के शेयरों का भाव 48 प्रतिशत टूट चुका है। दो साल में जारी गिरावट के बाद भी इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में तीन साल में 159 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। वहीं, 5 साल में यह स्टॉक 486 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है।

बता दें, 10 साल में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों की कीमतों में 6044 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी ने 2025 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.40 रुपये का डिविडेंड बांटा था।

## एनपीएस का नया अवतार: पेंशन के साथ हेल्थ प्रोटेक्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बुढ़ापे की सबसे बड़ी चिंता होती है बीमारी और बिल। पेंशन नियामक पीएफआरडीएएक ऐसी योजना पर काम कर रहा है, जो आपके रिटायरमेंट को बीमारी और बिल के डर से आजाद कर सकती है। इसे नाम दिया गया है स्वास्थ्य पहल। अब आपका एनपीएस निवेश सिर्फ रिटायरमेंट फंड नहीं, बल्कि एक मेडिकल पेंशन पूल भी बनेगा। पीएफआरडीए का कहना है कि अब एनपीएस सिर्फ एक रिटायरमेंट फंड नहीं रहेगा। तीन बड़े फंड मैनेजर, आईसीआईसीआई, एक्सिस और टाटा ऐसे उत्पादों पर प्रयोग कर रहे हैं, जो पेंशन को हेल्थ इंश्योरेंस के साथ बंडल करेंगे। नई योजना के तहत, एक निवेशक अपनी पेंशन बचत का 30 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से भविष्य के मेडिकल खर्चों के लिए अलग रख सकेगा। यानी यह पैसा सिर्फ और सिर्फ आपके बुढ़ापे के इलाज के लिए समर्पित होगा।

**फायदा :** रिटायरमेंट के बाद इलाज के लिए अपनी मूल बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं। एनपीएस के पास फिलहाल करीब 1 करोड़ सब्सक्राइबर्स का आधार है। जब इतने सारे लोग एक साथ किसी इंश्योरेंस कंपनी या अस्पताल के पास जाएंगे, तो फंड मैनेजर्स बेहतर डील्स के लिए नेगोशिएट कर पाएंगे। अस्पतालों के लिए भी यह फायदे का सौदा होगा क्योंकि उन्हें सीजीएचएस की तरह महीनों इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

# अचानक चांदी ने लगाई ऊंची छलांग

इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड-सिल्वर का हाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चांदी के भाव में आज उछाल दर्ज की जा रही है। शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले चांदी 13930 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 267200 रुपये पर पहुंच गई है। यह रेट ने जारी किया है। इस रेट के मुताबिक दिल्ली में आज का चांदी का भाव 266250 रुपये प्रति किलो है और दिल्ली में 10 ग्राम चांदी के सिक्के का भाव 2397 रुपये पर पहुंच गया है।

मुंबई में चांदी के रेट 266710 और चेन्नई में 267620 रुपये प्रति किलो हैं। बिहार की राजधानी पटना में आज 1 किलो चांदी का भाव 266700 रुपये किलो है। वहीं, राजस्थान की राजधानी जयपुर में 266810 रुपये प्रति किलो ग्राम। यूपी की राजधानी लखनऊ में आज चांदी का भाव 266920 रुपये है।

आईबीजेए के मुताबिक आज चांदी 15236 रुपये की छलांग लगाकर 265550 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली। जीएसटी समेत 2.73 लाख के पार चली गई है। अगर 29 जनवरी के इसके सर्राफा मार्केट के ऑल टाइम हाई 385933 रुपये किलो से तुलना करें तो अभी चांदी शिखर से 120383 रुपये प्रति किलो सस्ती है।

अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से सोमवार को चांदी के भाव में तेजी आई। ऐसा अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील्स को लेकर अनिश्चितता और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बने रहने की वजह से हुआ। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लगाने के अधिकार पर रोक लगा दी, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ी और निवेशकों ने सुरक्षित निवेश वाली चीजों (गोल्ड-सिल्वर) की तरफ रुख

किया। सोने की कीमतें भी तीन हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

एमसीएक्स पर चांदी का भाव 6.3 प्रतिशत (15,931 रुपये) उछलकर 2,68,875 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। वहीं, एमसीएक्स पर सोना 1.4 प्रतिशत (3,724 रुपये) बढ़कर 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट सिल्वर 3.1 प्रतिशत उछलकर 87.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो दो हफ्ते से ज्यादा का उच्चतम स्तर है। वहीं, स्पॉट गोल्ड 1.2 प्रतिशत बढ़कर 5,163.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो तीन हफ्ते से ऊपर का स्तर है। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स (अप्रैल डिलीवरी) में 2 प्रतिशत की तेजी रही और यह 5,184.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

बता दें शनिवार को ट्रंप ने कहा था कि वह ट्रेड प्रोटेक्शन बनाए रखने के लिए दुनिया भर पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। यह फैसला तब आया जब कोर्ट ने इमरजेंसी पॉवर का इस्तेमाल कर रेसिप्रोकल ड्यूटी लगाने के उनके फैसले को खारिज कर दिया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद डॉलर के नरम पड़ने से विदेशी खरीदारों के लिए कीमती धातुएं सस्ती हो गईं, जिससे कीमतों को सपोर्ट मिला। कोर्ट के फैसले ने अमेरिका के प्रमुख साझेदारों के साथ की गई ट्रेड डील्स पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यूरोपीय संसद के ट्रेड प्रमुख ने कहा कि वह अमेरिका के साथ हुए एक समझौते की पुष्टि में देरी का प्रस्ताव रखेंगे। भारतीय अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे अमेरिका की अपनी निर्धारित यात्रा टाल देंगे, वहीं जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के एक सदस्य ने इस स्थिति को बहुत बड़ी गड़बड़ी बताया।

# लिस्टिंग और सेटलमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव करेगा सेबी

**मुंबई, एजेंसी।** सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नियमों और सेटलमेंट से जुड़े प्रावधानों की व्यापक समीक्षा करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में एक कंसल्टेशन पेपर जून तक जारी किया जा सकता है। निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है

पोर्टफोलियो मैनेजर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पीएमएस फ्रेमवर्क में निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेगमेंट में पारदर्शिता पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन बाजार में तेजी से हो रहे बदलाव और नए निवेश उत्पादों के उभरने के कारण मौजूदा नियमों की समीक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेबी केवल पीएमएस ही नहीं, बल्कि एलओडीआर और सेटलमेंट से जुड़े नियामकीय ढांचे की भी समीक्षा करेगा, ताकि बदलते बाजार परिदृश्य के अनुरूप नियमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

एआई का उपयोग कैसे करेगा सेबी? एआई के उपयोग पर पांडे ने कहा कि सेबी बाजार में गड़बड़ियों और अनियमितताओं का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहा है, जिससे समय रहते नियामकीय हस्तक्षेप और समाधान संभव हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक मिलकर बाजार की गहराई बढ़ाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स और उससे जुड़े उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को निवेश के अधिक विकल्प मिलेंगे और बॉन्ड बाजार को भी मजबूती मिलेगी।

ट्रेडिंग से जुड़ी फंडिंग व्यवस्था पर भी पांडे ने बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई के लेंडिंग नियमों की समीक्षा की जाएगी और इस पर सेबी अपनी राय केंद्रीय बैंक के साथ साझा करेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि मार्जिन ट्रेडिंग या उधार लेकर ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को और सख्त किया जा सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप

# इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड, ऐसा है पिछले 5 मैचों का परफॉर्मेंस

**कोलंबो (एजेंसी)।** इंग्लैंड और पाकिस्तान मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के अपने-अपने दूसरे सुपर एट्स मुकाबले में स्पिन के दबदबे वाले मैच के लिए तैयार हैं। पिच से स्लो बॉलर्स को मदद मिलने की उम्मीद है। 2022 के चैंपियन इंग्लैंड ने अभी तक अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखाई है, लेकिन सुपर 8 में वह अब तक हारा नहीं है। डिफेंडिंग टीम ने श्रीलंका पर 51 रन की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। इस जीत से उनके नेट रन रेट में काफी सुधार हुआ और वे ग्रुप स्टैंडिंग में टॉप पर पहुंच गए।

इंग्लैंड को कंडीशंस की जानकारी होने का भी फायदा है। उन्होंने हाल ही में इस महीने की शुरुआत में इसी जगह पर तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और इससे पहले उन्होंने हाल ही में खत्म हुए सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। इस बीच पाकिस्तान अलग-अलग तरह के स्पिन अटैक के साथ पिच के धीमे नेचर का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। टीम के पास उस्मान तारिक का शानदार मिस्ट्री स्पिन है जिसे सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे टैलेंटेड गेंदबाज़ों का साथ मिला है।

कुल मिलाकर पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बैटिंग लाइनअप के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण यह मुकाबला एक टैक्टिकल लड़ाई होने की उम्मीद है, जिसमें स्पिन की महारत नतीजा तय कर सकती है।

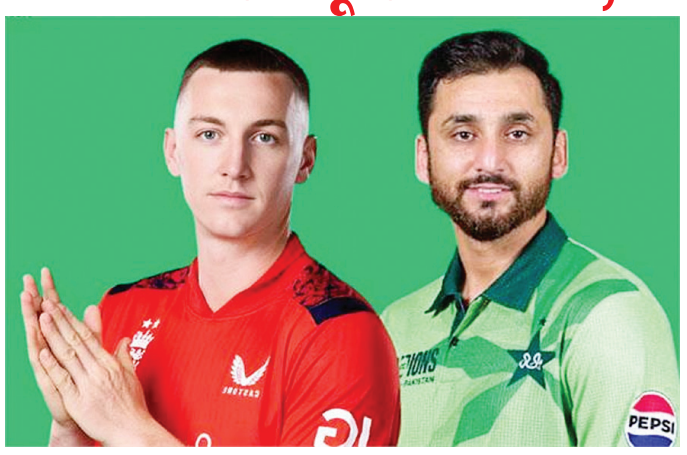

### इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

कुल मैच - 31
इंग्लैंड - 21 जीत
पाकिस्तान - 9 जीत
कोई नतीजा नहीं - एक

### पिछले 5 मैचों में दोनों टीमों का प्रदर्शन

इंग्लैंड - 4 जीत
पाकिस्तान - 3 जीत

### टीम

**इंग्लैंड** - हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

**पाकिस्तान** - सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

## जब आप ज्यादा स्मार्ट बनते हैं, अक्षर पटेल को ड्रॉप करने पर आजिंक्य रहाणे ने जमकर सुनाया

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** बीते 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 का मुकाबला खेला गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हरा दिया। इस मैच में टीम इंडिया ने एक बहुत बड़ा बदलाव किया था। उपकप्तान अक्षर पटेल को प्लेइंग 11 से ड्रॉप कर दिया गया था जबकि उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था। भारत का यह मूव उनको बैकफायर कर गया। सुंदर मुकाबले में पूरी तरह से फ्लॉप रहे। इतने बड़े मैच में अक्षर को ड्रॉप करने पर अब भारतीय टीम मैनेजमेंट की जमकर आलोचना हो रही है। इसी मामले पर भारतीय दिग्गज अजिंक्य रहाणे ने भी बड़ा बयान दिया है।

### शानदार गेंदबाजी कर रहे अक्षर

अक्षर पटेल ने अब तक इस वर्ल्ड कप में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बैटिंग में पटेल को उतना मौका नहीं मिला। अक्षर तूफानी अंदाज से बैटिंग भी करना जानते हैं, यह हमने कई बार देखा है। इसके अलावा अक्षर पटेल अनुभवी खिलाड़ी हैं और टीम के उपकप्तान भी। वह बतौर लीडर भी खेल में योगदान दे सकते थे। भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में उनको वापस प्लेइंग 11 में लाने की जरूर सोच सकता है।

## फ़ीडे फीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप 2027 फिर वाइसेनहाउस में होगी

**हैम्बर्ग, जर्मनी (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फ़ीडे) और फ़ीस्टाइल शतरंज संगठन के बीच हुए समझौते के अनुसार वर्ष 2027 की फिडे फ़ीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप एक बार फिर जर्मनी के वाइसेनहाउस में आयोजित की जाएगी। वर्ष 2026 में पहली बार आधिकारिक रूप से आयोजित इस प्रतियोगिता की सफलता के बाद इसे उसी स्थल पर दोबारा कराने का निर्णय लिया गया है।महिला फ़ीडे फ़ीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप फरवरी 2027 के पहले सप्ताहांत में तीन दिनों तक खेली जाएगी, जबकि ओपन वर्ग की फ़ीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप फरवरी के दूसरे सप्ताहांत में आयोजित होगी। दोनों प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर के अनुरूप निर्धारित किया गया है।वर्ष 2026 में मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) ने खिताब जीता है और फाइनल में फैबियानो कारुआना (अमेरिका) को पराजित किया था। दोनों खिलाड़ी 2027 संस्करण के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। तीसरे स्थान पर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज़्बेकिस्तान) को भी सीधा प्रवेश मिला है। महिला वर्ग में 2026 के प्रदर्शनी मुकाबले की विजेता बिबिसारा अस्साउबायेवा (कज़ाख़स्तान) ने 2027 महिला विश्व चैम्पियनशिप के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है।फ़ीडे अध्यक्ष अर्कादी द्वोरकोविच ने कहा कि वाइसेनहाउस में लगातार आयोजन से इस प्रारूप को स्थिरता और संस्थागत मजबूती मिलेगी। आयोजकों के अनुसार यह निर्णय फ़ीस्टाइल शतरंज को विश्व चैम्पियनशिप संरचना में स्थायी पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्वालीफिकेशन चक्र का अगला चरण अप्रैल 2026 में जर्मनी में आयोजित होने वाला ग्रेंके फ़ीस्टाइल शतरंज ओपन होगा, जिसे पहली बार आधिकारिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता का दर्जा दिया गया है। देखना होगा की क्या भारत से कोई खिलाड़ी अगले वर्ष विश्व खिताब की दौड़ में शामिल होगा।

वैभव सूर्यवंशी के लिए बिहार सरकार ने खोला खजाना

# 19 वर्ल्ड कप जीत के बाद मिला 50 लाख का इनाम

**पटना (एजेंसी)।** अंडर-19 विश्वकप 2026 के फाइनल में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को बिहार सरकार ने बड़ा सम्मान दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को उन्हें 50 लाख रुपये का चेक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे।

**बिहार के लिए गौरव का क्षण-** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से बिहार और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा, अंडर-19 विश्वकप में भारत की जीत में बिहार के इस खिलाड़ी की अहम भूमिका रही है। वैभव राज्य के बच्चों के लिए प्रेरणा हैं। हमें उम्मीद है कि वे आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

**टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय-** वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 विश्वकप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज रहे।

### 7 मैचों में 439 रन

| | |
|---|---|
| औसत | 62.71 |
| स्ट्राइक रेट | 169.50 |
| 1 शतक और 3 अर्धशतक | |
| 41 चौके और 30 छक्के | |

उनका प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार रहा और उन्होंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाई।

### ऐतिहासिक पारी

फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम को 100 रन से हराया। इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक पारी खेली।

# 'हार गए लेकिन वापसी करेंगे'

सुपर-8 में शिकस्त के बाद बीसीसीआई का टीम इंडिया पर भरोसा कायम

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने टीम पर पूरा भरोसा जताया है और कहा है कि टीम इंडिया मजबूती से वापसी करेगी।

● **दक्षिण अफ्रीका का दमदार प्रदर्शन-** दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। शुरुआत में 20 रन पर 3 विकेट गंवाने के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। डेविड मिलर (35 गेंदों पर 63 रन) और डेवाल्ड ब्रेविस (45 रन) के बीच 97 रन की साझेदारी ने पारी को संभाला। अंत में ट्रिस्टन स्टब्स की तेज पारी ने स्कोर को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया।

● जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो मुकाबले से पहले सूर्यकुमार का बड़ा बयान

# उम्मीद है हम अच्छी बल्लेबाजी करेंगे

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** टी-20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार झेलने के बाद टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कहा है कि एक हार से टीम अपनी खेलने की शैली नहीं बदलेगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली इस बड़ी शिकस्त के बाद भारत का नेट रन रेट काफी गिर गया है और अब सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो गई है। टीम अब चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ 'करो या मरो' मुकाबला खेलेगी।

**वही ब्रांड, कुछ नहीं बदलेगा** - मैच के बाद प्रस्तुति समारोह में सूर्यकुमार ने कहा- उम्मीद है हम अच्छी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करेंगे। चीजें सरल रखेंगे और वही ब्रांड का क्रिकेट खेलेंगे जो हम खेलना चाहते हैं। एक मैच से कुछ नहीं बदलता। हम मजबूत वापसी करेंगे।

### पावरप्ले में हार गई टीम इंडिया?

भारत 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 111 रन पर ऑलआउट हो गया। सूर्यकुमार ने माना कि पावरप्ले में जरूरत से ज्यादा आक्रामक रवैया भारी पड़ गया।

उन्होंने कहा कि 180-185 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय मैच पावरप्ले में जीता नहीं जा सकता, लेकिन वहीं हारा जरूर जा सकता है। शुरुआती ओवरों में ज्यादा विकेट गिरने से टीम छोटी-छोटी साझेदारियां नहीं बना सकी, जो बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए जरूरी थीं। -

**प्लेइंग इलेवन में हो सकते हैं बदलाव** - हार के बाद कोचिंग स्टाफ-रयान टेन डोशेटे और सितांशु कोटक- ने संकेत दिए हैं ।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

# जम्मू-कश्मीर के सामने स्टार खिलाड़ियों से सजी कर्नाटक की बड़ी चुनौती

**हब्बल्ली (एजेंसी)।** 67 साल के इतिहास में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू-कश्मीर की टीम की कहानी संघर्ष और जुनून से भरी है। लेकिन खिताब जीतने के लिए उसे आठ बार की चैंपियन कर्नाटक क्रिकेट टीम के खिलाफ बड़ा चमत्कार करना होगा। मुकाबला मंगलवार से केएससीए स्टेडियम में शुरू होगा।

### कर्नाटक क्यों है प्रबल दावेदार?

कर्नाटक को फेवरेट सिर्फ उसके इतिहास की वजह से नहीं माना जा रहा, बल्कि इस सीजन में उसके लगातार शानदार प्रदर्शन ने यह तमगा दिलाया है। राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ धीमी शुरुआत के बाद टीम ने शानदार वापसी की।

**जम्मू-कश्मीर की गेंदबाजी बनेगी असली परीक्षा** - जम्मू एण्ड कश्मीर क्रिकेट टीम के लिए सबसे बड़ी ताकत उनकी गेंदबाजी है, जिसकी अगुवाई तेज गेंदबाज आकिब नबी कर रहे हैं। उन्होंने इस सीजन में 55 विकेट लिए हैं। शुरुआती दिनों में पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है, जो मुकाबले को रोचक बना सकती है।

● **कर्नाटक की गेंदबाजी भी कम नहीं** - कर्नाटक की गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा कर रहे हैं। उनके साथ विद्वथ कावेरेप्पा, विद्याधर पाटिल, व्यासख विजयकुमार और शिखर शेट्टी ने भी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है।

● **श्रेयस गोपाल - टीम के संकटमोचक** - इस सीजन में एक खिलाड़ी सबसे अलग नजर आए हैं श्रेयल गोपाल लेग स्पिनर गोपाल ने 46 विकेट लेने के साथ 442 रन भी बनाए हैं। ऑलराउंड प्रदर्शन से उन्होंने कई मौकों पर टीम को मुश्किल से उबारा है। पूर्व कप्तान आर विनय कुमार ने भी उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है।

● **बड़े मैच का अनुभव कर्नाटक के पास** - राहुल, करुण, श्रेयस और मयंक 2013-14 और 2014-15 में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। बड़े मैचों का अनुभव कर्नाटक के लिए बड़ा प्लस प्वाइंट है। वहीं जम्मू-कश्मीर के पास कप्तान पारस डोगरा का अनुभव है।

## कतर ओपन 2026- कार्लोस अल्काराज ने 50 मिनट में जीता खिताब

**दोहा (एजेंसी)।** विश्व नंबर एक टेनिस स्टार कार्लेस अल्काराज ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला महज 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ पूरी तरह हावी रहे।

**2026 में जीत का अटूट सिलसिला** - इस जीत के साथ ही अल्काराज़ ने 2026 में लगातार 12 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। इससे पहले वह इस साल आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था और चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के महज 20 दिन बाद उन्होंने दोहा में एक और ट्रॉफी जोड़ ली।

**दूर खिताबों की संख्या पहुंची 26** - दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज़ के करियर के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या अब 26 हो गई है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक सर्विस, सटीक ग्राउंड

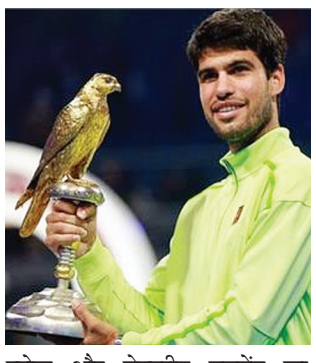

स्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया, जिससे फिल्स को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

**अल्काराज़ ने क्या कहा** - खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत शानदार रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बरकरार रखना चाहता हूं।

आईपीएल 2026

# धोनी सीएसके के लिए कुछ मैच खेलेंगे

● **रिपोर्ट में दावा- सभी मैच खेलेंगे या नहीं, टूर्नामेंट के समय तय किया जाएगा**

**चेन्नई (एजेंसी)।** महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। धोनी इस साल जुलाई में 45 साल के हो जाएंगे। सीएसके के मैनेजमेंट ने उनकी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए वे कुछ मैचों से ब्रेक ले सकते हैं। सीएसके के एक टॉप सोर्स के हवाले से मीडिया ने बताया, हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि धोनी चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने इस सीजन के लिए अपनी उपलब्धता स्पष्ट कर दी है। वे सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह फिलहाल कहना मुश्किल है।

● **संजू सैमसन के आने से विकेटकीपिंग का विकल्प खुला-** इस बार चेन्नई सुपर किंग्स के स्क्वाड में संजू सैमसन की एंट्री हुई है। सैमसन के आने से टीम के पास विकेटकीपिंग के मजबूत विकल्प मौजूद हैं। मैनेजमेंट की योजना है कि जिन मैचों में धोनी को आराम दिया जाएगा, वहां सैमसन ग्लव्ज संभालेंगे। धोनी पिछले कुछ समय से घुटने और पीठ की समस्या से जूझते रहे हैं। ऐसे में 45 की उम्र में हर मैच में विकेटकीपिंग करना उनके शरीर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। संजू के अलावा टीम में टीम में उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा विकेटकीपर के तौर पर शामिल है। कार्तिक को सीएसके ने 14.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें शिवम दुबे के साथ फिनिशर के रूप में तैयार किया जा रहा है।

● **इम्पैक्ट प्लेयर रूल का मिल सकता है फायदा-** पिछले सीजन की तरह इस बार भी धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नजर आ सकते हैं। वे निचले क्रम में आकर फिनिशर की भूमिका निभाते रहे हैं। फिट रहने के लिए उन्होंने अपनी बैटिंग को कुछ खास ओवरों तक ही सीमित रखा है। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि धोनी मैदान पर रहें, भले ही वे सिर्फ आखिरी के कुछ ओवरों में बैटिंग करें या मेंटर की तरह टीम को गाइड करें।

● **चेपॉक के हर होम गेम में दिखने की उम्मीद-** धोनी का चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और वहां के फैंस के साथ एक इमोशनल रिश्ता है। सूत्रों का कहना है कि धोनी कोशिश करेंगे कि वे चेन्नई में होने वाले सभी होम मैच जरूर खेलें। फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता आज भी वैसी ही है और उनके मैदान पर कदम रखते ही पूरा स्टेडियम 'धोनी-धोनी' के नारों से गूंज उठता है। टीम में उर्वील पटेल और कार्तिक शर्मा जैसे युवा विकेटकीपर भी शामिल हैं, जो बैकअप के तौर पर तैयार रहेंगे।

● **पिछले आईपीएल मैच के दौरान संन्यास की हुई थी चर्चा-** पिछले आईपीएल सीजन में जब उनके पेरेंट्स स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे तो उनके संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थीं। पेरेंट्स के साथ उनकी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी थी। मैच के बाद सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि धोनी के संन्यास के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। धोनी के पेरेंट्स 20 साल बाद उनका कोई मैच देखने पहुंचे थे। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने सोमवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गृह एवं जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लोकभवन में चर्चा की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का विधायक रीती पाठक ने लोकभवन में सौजन्य भेंट की।

मुख्यसचिव अनुराग जैन से सोमवार को विधानसभा में भारत सरकार की खेल एवं युवा मामले की सचिव पल्लवी जैन गोविल ने सौजन्य भेंट की।

मुख्यसचिव अनुराग जैन और भारत सरकार में खेल एवं युवा कल्याण मामले की सचिव पल्लवी जैन गोविल और वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर विमर्श किया।

मुख्य सचिव अनुराग जैन से मंत्रालय में भारत सरकार के सचिव मनोज गोविल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर सौजन्य भेंट की।

## निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

**सतना एजेंसी।** सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत ग्राम पंचायत बारी कला में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पंचायत भवन परिसर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हुआ, जिसमें विभिन्न बीमारियों से ग्रसित ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार किया गया। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की इकाई सतना सीमेंट वर्क्स समय-समय पर सामाजिक एवं विकासात्मक गतिविधियों का संचालन करती रही है। संस्था के प्रेसिडेंट श्री कौशल मिश्रा का उद्देश्य है कि सीमेंट प्लांट की प्रगति के साथ-साथ आसपास के गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित हो, ग्रामीण किसानों की आजीविका सुदृढ़ बने तथा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एचआर हेड श्री आर. के. गिरी एवं क्लस्टर हेड श्री रंजीत प्रसाद के नेतृत्व में इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ग्राम बठिया कला के कुल 92 ग्रामीणों की विभिन्न रोगों की जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

## मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर फंसे लोगों को मिलेगा टोल-रिफंड

**मुंबई , एजेंसी।** महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर गैस टैंकर दुर्घटना के बाद 33 घंटे जाम में फंसे वाहन चालकों से वसूली गई टोल की राशि को वापस करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से जाम में फंसे लगभग एक लाख लोगों को लाभ मिलेगा। तीन फरवरी को एक्सप्रेस वे के खोपोली खंड पर एक गैस टैंकर के पलटने से लगभग 33 घंटे तक यातायात ठप रहा था। इस कारण कई किलोमीटर तक यातायात बाधित रहा। जाम के चलते कई वाहन चालकों और यात्रियों को पानी, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा था। दुर्घटना के बाद प्रशासन ने टोल वसूली को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। हालांकि, तब तक कई वाहन चालकों के फास्टैग खातों से टोल शुल्क पहले ही काटे जा चुके थे। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि टोल वसूली रोकने का आदेश जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों से वसूल की गई पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है। लगभग 5.16 करोड़ रुपये की यह वापसी राशि एमएसआरडीसी द्वारा भुगतान की जाएगी।

# गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक चलेगी नमो भारत ट्रेन

**● अब नोएडा एयरपोर्ट के रूट की योजना पर तेजी से काम होगा।**

**गाजियाबाद , एजेंसी।** दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिबनडोर पर नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने के बाद अब नोएडा एयरपोर्ट के रूट की योजना पर तेजी से काम होगा। गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक नमो भारत ट्रेन चलाई जानी है। इसकी डीपीआर केंद्र सरकार के पास है।

गाजियाबाद से जेवर तक बनने वाले कॉरिडोर की लंबाई 72.44 किलोमीटर होगी। इसमें रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के 11 स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। फिलहाल परियोजना पर करीब 20637 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। एनसीआरटीसी गाजियाबाद से जेवर कॉरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को भेज चुका है।

प्रदेश सरकार ने डीपीआर को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा है। एनसआरटीसी के अधिकारी ने बताया कि नमो भारत ट्रेन का परिचालन मेरठ तक शुरू हो गया है। अब नोएडा एयरपोर्ट कॉरिडोर की योजना पर जल्दी शुरू होने की उम्मीद है। गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक बेहतर परिवहन व्यवस्था होनी है। इसे ध्यान में रखते हुए नोएडा एयरपोर्ट तक चलने वाली नमो भारत ट्रेन की योजना पर काम शुरू होगा। जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस औद्योगिक प्राधिकरण क्षेत्र से होकर ग्रेटर नोएडा होते हुए नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन से इसका एकीकरण कर गाजियाबाद स्टेशन से जोड़ा जाएगा। नमो भारत ट्रेन के गाजियाबाद, गाजियाबाद साउथ, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-2, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-12, सूरजपुर, अल्फा-प्रथम, इकोटेक-छह, दनकौर, यीडा नार्थ सेक्टर-18, यीडा सेंट्रल सेक्टर-21 और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्टेशन प्रस्तावित हैं। इस रूट पर कुल 25 स्टेशन होंगे। इनमें 11 स्टेशन आरआरटीएस के होंगे। शेष स्टेशन मेट्रो के होंगे। नमो भारत ट्रेन को गाजियाबाद स्टेशन से जेवर तक चलाया जाना है। इसे ध्यान में रखकर गाजियाबाद स्टेशन पर पहले से अतिरिक्त प्लेटफार्म बनाए गए हैं। जानकारों का कहना है कि गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक नमो भारत ट्रेन चलने से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिलेगा। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। गाजियाबाद के अलावा आसपास के लोगों को भी इससे फायदा होगा।

## बेंगलुरु की झीलों पर संकटः एक में भी पीने या नहाने लायक पानी नहीं, रिपोर्ट

**बेंगलुरु , एजेंसी।** कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के हालिया आंकड़ों बेंगलुरु शहर की एक भी झील का पानी पीने या नहाने के लायक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेलंदूर और वर्थुर जैसी प्रतिष्ठित झीलें भारी प्रदूषण के कारण डी और ई श्रेणी में बनी हुई हैं। दरअसल, अप्रैल और नवंबर 2025 के बीच किए गए जल गुणवत्ता विश्लेषण के अनुसार, शहर की 147 झीलों में से एक भी झील सुरक्षित मानकों (श्रेणी ए या बी) पर खरी नहीं उतरी है। यानी इन झीलों का पानी मानवीय उपयोग तो दूर, पशुओं के लिए भी असुरक्षित हो चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि बेंगलुरु शहर की सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में प्रतिष्ठित झीलें भी शामिल हैं। बेंगलुरु की कई सबसे प्रसिद्ध झीलों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक पाया गया। अधिकांश झीलों को डी या ई श्रेणी में रखा गया, जो भारी प्रदूषण का संकेत देता है। अप्रैल में इसे ई रेटिंग दी गई थी, गर्मियों के दौरान यह थोड़े समय के लिए डी रेटिंग तक सुधरी, लेकिन नवंबर तक आते-आते यह वापस ई रेटिंग पर आ गई। अधिकांश महीनों तक डी श्रेणी में बनी रही, फिर धीरे-धीरे ई श्रेणी में आ गई। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित झीलों में मडीवाला, काइकोंडनहल्ली, कुंडलाहल्ली और उल्सूर (सभी डी/ई श्रेणी की) शामिल हैं, जबकि सैंकी टैंक की श्रेणी डी बनी हुई है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, तेजी से शहरीकरण और अनुपचारित अपशिष्ट निर्वहन के कारण झीलें सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। माधुरी सुब्बाराओ ने कहा, बेंगलुरु की कई झीलें पारिस्थितिक पतन के कगार पर हैं।

# नहीं रहे बंगाल की राजनीति के चाणक्य पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन

**कोलकाता, एजेंसी।** पूर्व रेल मंत्री और वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय का निधन हो गया है। उन्होंने 71 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। खास बात है कि तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में शामिल रॉय लंबे समय तक मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी रहे।

71 वर्षीय रॉय को राजधानी कोलकाता स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने रात करीब 1 बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उनके बेटे शुभ्रांशु रॉय ने कहा, वह कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे थे। रॉय ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत बंगाल में यूथ कांग्रेस से की थी।

टीएमसी की स्थापना के बाद वह काफी समय तक बनर्जी के साथ काम करते रहे और उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। इसके बाद वह दिल्ली में टीएमसी का बड़ा चेहरा बनकर उभरे। साल 2006 में वह राज्यसभा के लिए चुने गए और साल 2009 से 2012 तक उच्च सदन में पार्टी के नेता रहे। साल 2011 के बाद जब टीएमसी सत्ता में आई, तो बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। इसके बाद रॉय लगातार पार्टी को मजबूत करते रहे। टीएमसी के तत्कालीन पार्टी महासचिव रॉय के पद पर रहते हुए बड़ी संख्या में सीपीएम और कांग्रेस नेताओं ने दल बदले थे।

## नोएडा में सातवीं कक्षा की छात्रा ने जान दी, पड़ोसी पर ब्लैकमेलिंग का आरोप

**नोएडा , एजेंसी।** नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र की कॉलोनी में शनिवार रात 13 साल की नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी मिली। उसे अस्पताल जे जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नाबालिग के भाई ने गैर समुदाय के पड़ोसी युवक पर बहन को ब्लैकमेल करने और साथियों संग शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस की चार टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए गठित कर दी गई हैं।

आरोपियों पर कार्रवाई न होने से नाराज हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने रविवार सुबह सेंट्रल जोन में एसीपी प्रथम के दफ्तर से कुछ दूर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी और एसीपी मौके पर पहुंचे। आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग वहां से हटे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महोबा का एक शख्स सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में पत्नी, बेटी और बेटे के साथ लंबे समय से रह रहा है। उसकी बेटी थाना क्षेत्र में ही अपनी मौसी के यहां रहकर सातवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। किशोरी के भाई का कहना है कि तीन दिन पहले उसके मां-पिता दोनों एक शादी समारोह में गांव चले गए। वह शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे डयूटी चला गया। बहन घर में अकेली थी। रात करीब आठ बजे उसने भाई को सब्जी लाने के लिए फोन किया। पौने दस बजे भाई घर पहुंचा तो दरवाजा खुला था। कमरे में जैसे ही वह दाखिल हुआ तो नाबालिग फंदे पर लटकी मिली। आरोप है कि युवक ने नाबालिग के फोटो-वीडियो मोबाइल में रखे हुए हैं। इन्हें दिखाकर वह उसे ब्लैकमेल कर दोस्तों संग संबंध बनाने का दबाव बना रहा था।

# होलाष्टक 24 फरवरी से प्रारंभ होकर 3 मार्च तक

**सतीश मैथिल सांचेत**

सांचेत तहसील हिंदू धर्म में होलाष्टक का वक्त बहुत ही अशुभ माना जाता है. यह होली से 8 दिन पहले शुरू होता है और होलिका दहन के साथ समाप्त होता है. इस साल होलाष्टक 24 फरवरी से लेकर 3 मार्च तक रहेगा. इस दौरान शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं. मान्यता है कि इस अवधि में नौ ग्रह क्रूर हो जाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय विष्णु आराधना, दान-पुण्य और पितृ तर्पण करना लाभदायक होता है

होली के आठ दिन पहले से होलाष्टक मनाया जाता है. इसकी शुरुआत होली के 8 दिन पहले हो जाती है. ज्योतिष शास्त्र में इस काल का विशेष महत्व है क्योंकि इसी में होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं. मानते हैं कि होलाष्टक की शुरुआत वाले दिन ही शिव जी ने कामदेव को भस्म किया था. इस काल में हर दिन अलग ग्रह उग्र रूप में होते हैं, इसलिए इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं करते हैं. वैसे तो होलाष्टक में कोई शुभ काम नहीं करते हैं लेकिन जन्म और मृत्यु के बाद किए जाने वाले कार्य कर सकते हैं

ज्योतिषाचार्य पंडित अरुण शास्त्री बताते हैं द्रिक पंचांग के अनुसार, इस बार होलाष्टक 24 फरवरी यानी कल से शुरू हो रहे हैं और इनका समापन 3 मार्च को होगा होलाष्टक के इन 8 दिनों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए

### होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

1. होलाष्टक के दौरान शादी-विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन या नामकरण जैसे मांगलिक

कार्य करने से बचना चाहिए. मान्यता है कि इस समय किए गए शुभ कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं
2. इस दौरान नया बिजनेस शुरू करना, नया घर खरीदना या कोई बड़ा निवेश करना इस अवधि में टालना बेहतर माना जाता है. इससे काम में रुकावट या नुकसान हो सकता है.
3. इस समय मानसिक तनाव बढ़ सकता है, इसलिए किसी भी तरह के विवाद, गुस्सा या बहस से बचना चाहिए. इससे रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है.
4. होलाष्टक के दौरान मांस, शराब और ज्यादा मसालेदार या तामसिक भोजन से परहेज करना चाहिए. इससे मन और शरीर दोनों संतुलित रहते हैं.
5. इस दौरान नकारात्मक विचार और आलस्य बढ़ सकते हैं, इसलिए ध्यान, पूजा-पाठ और सकारात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए.

### होलाष्टक के दौरान क्या करें

ज्योतिषाचार्य पंडित अरुण शास्त्री के अनुसार, होलाष्टक के इन 8 दिनों में सिर्फ हनुमान चालीसा का पाठ करें. इसके अलावा, विष्णु सहस्त्रनाम का जप करें. भगवान का ध्यान लगाएं और नकारात्मक लोगों से दूर करें. किसी से बेवजह बहस ना करें.

### होलाष्टक का महत्व

होली से पहले आने वाला होलाष्टक वो 8 दिन हैं, जब वातावरण में तप, परीक्षा और श्रद्धा की ऊर्जा मानी जाती है. मान्यता है कि इसी काल में असुर राजा हिरण्यकशिपु ने अपने पुत्र भक्त प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति से रोकने के